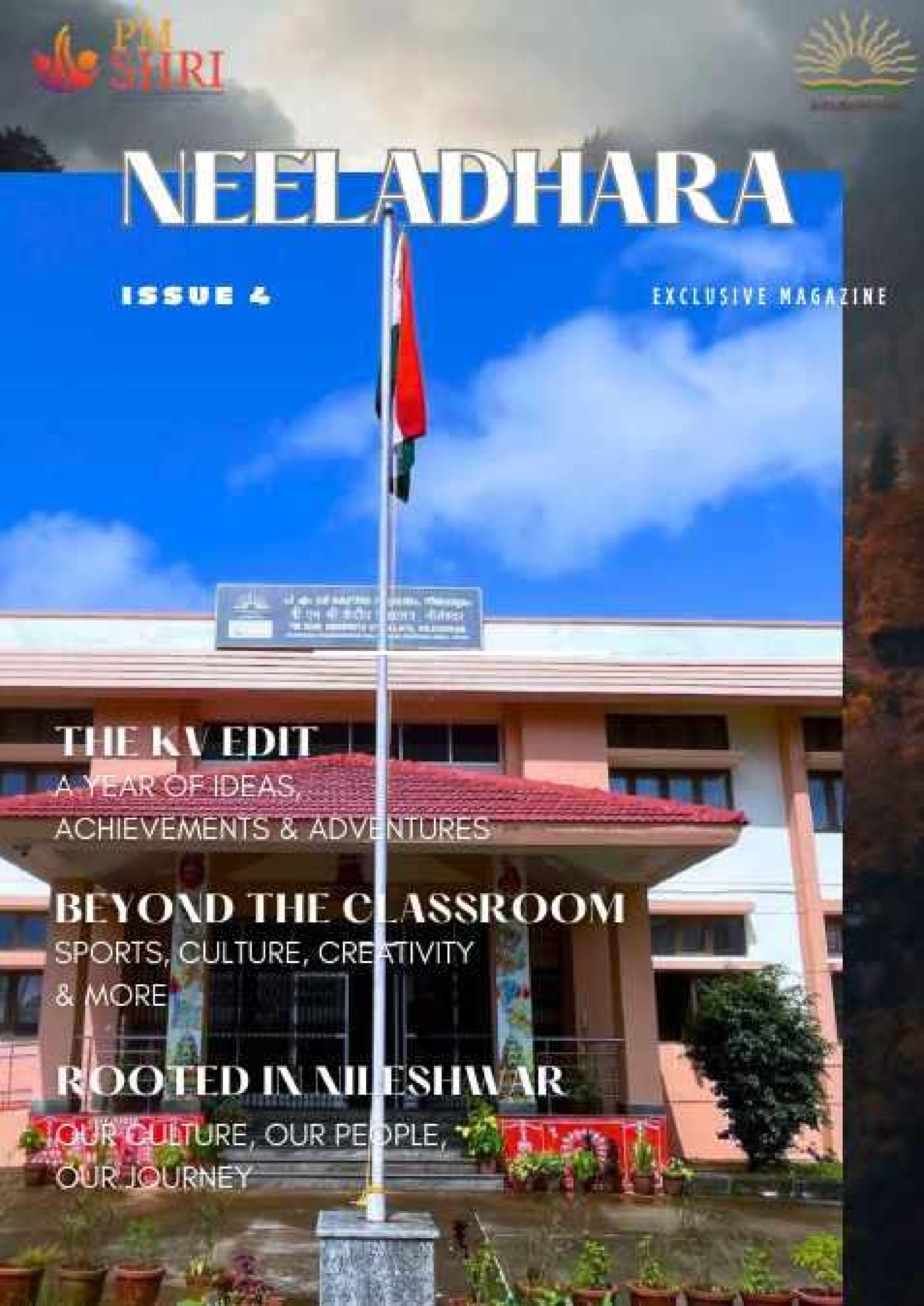

NEELADHARA

ISSUE 6

EXCLUSIVE MAGAZINE

THE KV EDIT

A YEAR OF IDEAS,
ACHIEVEMENTS & ADVENTURES

BEYOND THE CLASSROOM

SPORTS, CULTURE, CREATIVITY
& MORE

ROOTED IN NILESHWAR

OUR CULTURE, OUR PEOPLE,
OUR JOURNEY

Table of Contents

1. Message 4
2. Achievements 11
3. Student Council 15
4. English 16
5. Mathematics 36
6. Hindi 45
7. Sanskrit 80
8. Malayalam 94
1. Budget and Resources 10
2. Key Performance Indicators 11
3. Stakeholder Analysis 12
4. Communication Plan 13
5. Quality Assurance 14
6. Deliverables and Milestones 15
7. Project Closure and Review 16

ARJUN PANDIAN I.A.S.
DISTRICT COLLECTOR & DISTRICT MAGISTRATE,
KASARAGOD

Telephone Office / Res.
Fax Office
Mobile
e-mail
Date

DCKSGD/CA/26-2026 **18/07/2026**

Message

It gives me immense pleasure to extend my warm greetings to the Principal, teachers, students, parents, and all the well-wishers of PM SHRI Kendriya Vidyalaya Nileshwar on the publication of the latest edition of the **Vidyalaya Patrika**.

A school magazine is much more than a collection of articles and photographs. It is a reflection of the vibrant academic environment, creative talents, achievements, and aspirations of the entire school community. It provides young minds with a meaningful platform to express their ideas, showcase their literary and artistic abilities, and cultivate confidence, creativity, and critical thinking.

I am delighted to note that PM SHRI Kendriya Vidyalaya Nileshwar continues to uphold the highest standards of academic excellence while nurturing values of integrity, compassion, innovation, and social responsibility. Such initiatives inspire students to become responsible citizens who contribute positively to society and the nation.

I congratulate the Editorial Board, the Principal, teachers, and every student whose efforts have made this publication possible. My appreciation also goes to the parents for their constant encouragement and support.

May this Vidyalaya Patrika inspire every learner to dream big, strive for excellence, and uphold the ideals of knowledge, discipline, and service. I wish the school continued success in all its future endeavours.

With my best wishes,

District Collector &
Chairman, Vidyalaya Management Committee (VMC)
PM SHRI Kendriya Vidyalaya Nileshwar

डॉ. डी मन्जुनाथ
उपायुक्त
Dr. D Manjunath
Deputy Commissioner

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
क्षेत्रीय कार्यालय, एर्णाकुलम
REGIONAL OFFICE, ERNAKULAM
कडवन्त्रा, कोच्चि – 682020
KADAVANTHARA, KOCHI – 682020
दूरभाष : 0484-2205111, 2203116
ईमेल : ro-ernakulam@kvs.gov.in
वेबसाइट : roernakulam.kvs.gov.in

F.No.31/DCMsg/2026-27/KVSROEKM/ दिनांक, *30.07.2026*

ഡെപ്യൂട്ടി കമ്മീഷണറുടെ സന്ദേശം / उपायुक्त का संदेश

ഏതൊരു വിദ്യാഭ്യാസ സ്ഥാപനത്തിന്റെയും സർഗ്ഗാത്മകമായ പ്രകടനങ്ങളുടെ ശക്തമായ ഒരു മാധ്യമമാണ് സ്കൂൾ മാഗസിൻ. വിദ്യാർത്ഥികളുടെ സാഹിത്യവാസന, സർഗ്ഗാത്മക ചിന്ത, ശാസ്ത്രീയ വീക്ഷണം, സാംസ്കാരിക ബോധം എന്നിവയ്ക്ക് രൂപം നൽകുന്നതോടൊപ്പം അവരുടെ വ്യക്തിത്വത്തിന്റെ സർവ്വതോമുഖമായ വികസനത്തിലും ഇത് പ്രധാന പങ്ക് വഹിക്കുന്നു.

പി.എം. ശ്രീ കേന്ദ്രീയ വിദ്യാലയം നീലേശ്വരം തങ്ങളുടെ പുതിയ സ്കൂൾ മാഗസിൻ പ്രസിദ്ധീകരിക്കുന്നു എന്നറിഞ്ഞതിൽ എനിക്ക് വലിയ സന്തോഷമുണ്ട്. വിദ്യാർത്ഥികളുടെയും അധ്യാപകരുടെയും രക്ഷിതാക്കളുടെയും കൂട്ടായ പരിശ്രമങ്ങളുടെയും നേട്ടങ്ങളുടെയും അനുഭവങ്ങളുടെയും ജീവസ്സുറ്റ ഒരു രേഖയാണ് ഈ മാഗസിൻ.

അറിവ് സമ്പാദിക്കൽ, സർഗ്ഗാത്മകത, അച്ചടക്കം, ധാർമ്മിക മൂല്യങ്ങൾ, രാഷ്ട്രനിർമ്മാണം എന്നിവയോടുള്ള പ്രതിബദ്ധത കൂടുതൽ ശക്തിപ്പെടുത്താൻ ഈ മാഗസിൻ വിദ്യാർത്ഥികളെ പ്രചോദിപ്പിക്കുമെന്ന് ഞാൻ ഉറച്ചു വിശ്വസിക്കുന്നു.

വിദ്യാലയ കുടുംബത്തിനും എഡിറ്റോറിയൽ ബോർഡിനും ഈ മാഗസിന്റെ പ്രസിദ്ധീകരണത്തിനായി സഹകരിച്ച എല്ലാ വിദ്യാർത്ഥികൾക്കും അധ്യാപകർക്കും എന്റെ ഹൃദയം നിറഞ്ഞ ആശംസകൾ!

विद्यालय पत्रिका किसी भी शिक्षण संस्थान की सृजनात्मक अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम होती है। यह विद्यार्थियों की साहित्यिक प्रतिभा, रचनात्मक सोच, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा सांस्कृतिक चेतना को अभिव्यक्ति प्रदान करने के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, नीलेश्वर अपनी नवीन विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन कर रहा है। यह पत्रिका विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों के सामूहिक प्रयासों, उपलब्धियों एवं अनुभवों का सजीव दस्तावेज है।

मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका विद्यार्थियों को ज्ञानार्जन, सृजनशीलता, अनुशासन, नैतिक मूल्यों एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए प्रेरित करेगी।

विद्यालय परिवार, संपादकीय मंडल तथा इस पत्रिका के प्रकाशन में सहयोग देने वाले सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(ഡോ. [illegible] / डॉ. [illegible])
ഡെപ്യൂട്ടി കമ്മീഷണർ / उपायुक्त

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, एरणाकुलम

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN, REGIONAL OFFICE, ERNAKULAM

(An Autonomous Body Under MoE, Govt. of India)

कडवन्त्रा पी.ओ. कोच्ची - २०

Kadavanthra P.O, Kochi - 20

Phone No.0484- 2205111(DC), 2290318(Acad), 2205127(Admn.), 2971310 (Accts)

E-mail: [illegible]

सहायक आयुक्त का संदेश

शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में उत्कृष्ट चरित्र, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास करना भी है। विद्यालय पत्रिका इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा, विचारों और अनुभवों को अभिव्यक्त करने का सशक्त मंच प्रदान करती है।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, नीलेश्वर द्वारा प्रकाशित यह विद्यालय पत्रिका विद्यार्थियों की सृजनात्मकता, शिक्षकों के समर्पण तथा विद्यालय की उत्कृष्ट शैक्षिक गतिविधियों का सुंदर प्रतिबिंब है।

मैं आशा करता हूँ कि यह पत्रिका विद्यार्थियों को निरंतर सीखने, नवाचार अपनाने तथा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगी। विद्यालय परिवार एवं संपादकीय मंडल को इस सराहनीय प्रयास के लिए मेरी हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य हेतु मंगलकामनाएँ।

(अनिल मोहन)
सहायक आयुक्त
केन्द्रीय विद्यालय संगठन
क्षेत्रीय कार्यालय, एर्णाकुलम

Mrs B Gayathri
PRINCIPAL

प्राचार्या का संदेश

"शब्दों से सजे पन्ने, सपनों से भरे आकाश"

विद्यालय केवल ईंटों और दीवारों से निर्मित कोई भवन नहीं, बल्कि वह जीवंत संसार है जहाँ जिज्ञासा को दिशा मिलती है, कल्पनाओं को पंख मिलते हैं और सपनों को उड़ान। हमारे विद्यालय की पत्रिका का यह अंक केवल रचनाओं का संकलन नहीं है; यह हमारे विद्यार्थियों की सोच, संवेदना, सृजनशीलता और आत्मविश्वास का प्रतिबिंब है। इसके प्रत्येक पृष्ठ पर किसी न किसी युवा मन की कल्पना साँस लेती है और प्रत्येक रचना अपने भीतर एक नई संभावना का संदेश समेटे हुए है।

आज के विद्यार्थी केवल भविष्य के नागरिक नहीं, बल्कि वर्तमान के परिवर्तनकारी स्वर हैं। हमें उन्हें केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि प्रश्न पूछने का साहस, असफलताओं से सीखने का धैर्य, दूसरों के प्रति संवेदना और अपने सपनों को साकार करने का आत्मविश्वास देना है।
मैं अपने विद्यार्थियों से कहना चाहूँगा–अंकों से आगे बढ़कर सीखिए,
प्रतियोगिता से आगे बढ़कर सहयोग कीजिए, और सफलता से आगे बढ़कर सार्थकता खोजिए। आपकी कल्पना में वह शक्ति है जो एक विचार को उपलब्धि में, एक प्रयास को प्रेरणा में और एक छोटे से कदम को बड़े परिवर्तन में बदल सकती है।
इस पत्रिका के माध्यम से हमारे विद्यार्थियों ने जो कुछ रचा है, वह केवल आज के लिए नहीं है।
ये शब्द, चित्र, विचार और अनुभव आने वाले वर्षों में उनके विद्यालयी जीवन की उन सुंदर स्मृतियों के रूप में जीवित रहेंगे, जिन्हें वे कभी पीछे मुड़कर देखेंगे और मुस्कुराएँगे मुझे विश्वास है कि पी एम श्री के वी नीलेश्वर के हमारे विद्यार्थी ज्ञान के साथ विवेक, उपलब्धि के साथ विनम्रता और सफलता के साथ संवेदनशीलता को अपना जीवन-मूल्य बनाएँगे। इस पत्रिका के प्रकाशन में योगदान देने वाले सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।
आपकी कलम चलती रहे, आपकी जिज्ञासा जागती रहे, और आपके सपनों का आकाश निरंतर विस्तृत होता रहे।

शुभकामनाओं सहित,
प्राचार्या
पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नीलेश्वर

Editorial Note

JINEESH P
PGT English

NEELADHARA—**N**urturing Excellence, **E**nlightenment, **L**earning, **A**spiration, **D**iscipline, **H**armony, **A**chievement, **R**esponsibility, and **A**ppreciation—is more than the title of our school magazine. It is a stream of ideas that gathers every voice, every dream, and every spark of creativity into a shared current of learning.

Like a river that reflects the changing colours of the sky while steadily moving forward, NEELADHARA mirrors the vibrant spirit of our school. Within these pages flow stories, poems, paintings, reflections, and achievements—each one a ripple created by young minds eager to explore, imagine, and express.

This edition is the outcome of collective effort, patience, and passion. I extend my heartfelt appreciation to the students of Class XI, whose dedication to the compilation and design of this magazine has been truly commendable. Their creativity has shaped these pages with care, transforming individual contributions into a harmonious whole. They have not merely designed a magazine; they have woven together a tapestry of memories and aspirations that will be treasured for years to come.

I also express my sincere gratitude to our Principal, teachers, and every student contributor whose words, colours, and ideas have enriched this publication. Their enthusiasm reminds us that education is not confined to classrooms; it blossoms wherever curiosity is encouraged and imagination is given wings.

May NEELADHARA 2026–27 inspire every reader to discover the beauty of expression, the joy of learning, and the courage to dream beyond horizons. As this stream continues its journey, may it carry forward the enduring values and boundless potential of our school community.

Jineesh P
PGT English
Magazine In-charge

ACHIEVEMENTS

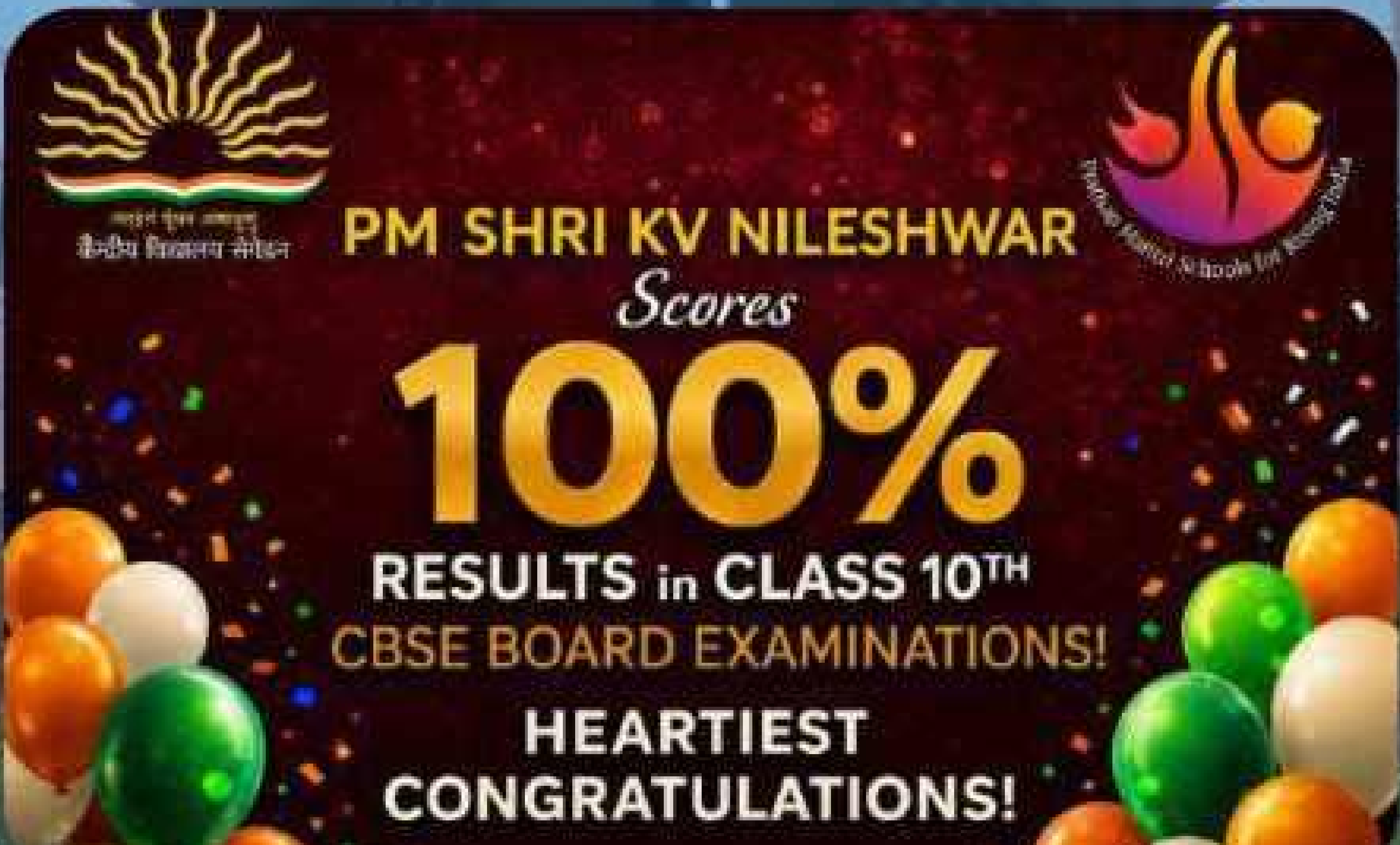

PMSHRI K V NILESHWAR
CONGRATULATES
SCHOOL TOPPER 469/500 93.8%
BAGGED A1 IN ALL SUBJECTS
WE ARE PROUD OF YOU
THRITHIYA KRISHNA
YOUR DEDICATION & HARDWORK HAVE TRULY PAID OFF

KENDRIYA VIDYALAYA
NILESHWAR
Congratulations!
On your selection at
IIT KHARAGPUR
FOR KRITI PROGRAM
V.Nandakumar
Nivedita Gopan
A monumental selection on your
HIGH STANDARD OF ACADEMICS AND CONDUCT
which marks the start of a
TRANSFORMATIVE ACADEMIC EXCELLENCE.

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA NILESHWAR
CBSE TOPPERS 2025-26
90+ MARKS STUDENTS!
CONGRATULATIONS!
PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA NILESHWAR
CONGRATULATIONS TO ALL TOPPERS!

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय नीलेश्वर
PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA NILESHWAR
Congratulates
KRISHNA GOPAL K E
For selecting Two Projects from our school for 'Innovation in Science Pursuit for Inspired Research' (INSPIRE) scheme is one of the flagship programmes of Department of Science & Technology (DST), Government of India.

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय नीलेश्वर
PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA NILESHWAR
Congratulates
Avanthika S Rajeevan , Class VI
Who bagged Gold model in Kumite of the Inter District Karate Championship Organised by World Shotokan Karate – Do Federation India held at SRSS Open Auditorium Chennai on 1 st February, 2021
Well Done , Dear

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

പി എം ശ്രീ കേന്ദ്രീയ വിദ്യ
पीएम श्री केन्द्रीय वि
PM SHRI K RIYA VIDYA

PRAYAS
प्रमाण पत्र Certificate

STUDENT COUNCIL

ENGLISH

THE LANGUAGE OF OUR DREAMS

SCHOOL MAGAZINE

2026-27

Dreams Don't Work Unless You Do

BY: SHIVAGANGA IX A

"Dreams are free, but the journey isn't."

Everyone has dreams. Doctors, Engineers, cricket... But dreams are likes kites. They only fly when you run with it.

Thomas Edison failed 1000 times before the bulb. P.T. Usha ran at 4am daily to become "Payyoli Express. They didn't just dream.

So, start small. One page, one lap, one sketch a day. Success is small and repeated efforts. Do one thing for today.

Because dreams don't become real unless you do!!

HISTORICAL EVENTS IN INDIA

-BY MEDWIN BIJU

- India has a rich history filled with important events that shape the nation. One of the greatest events was the freedom struggle against the British rule. Leaders like Gandhi and Jawarharlal Nehru inspired millions of people to fight for independence. India finally became independant on August 15 1947.
- Another major event was the adoption of the Indian Constitution in 1950 under the guidance of BR Ambedhkar. It made India a democratic republic with equal rights for citizens. events like these helped India grow into a Strong United Nation.

MY DREAM INDIA

The India of my dreams is a modern, green, and powerful nation that leads the world in technology while staying deeply connected to its rich culture. In this country, the villages are highly developed with constant electricity, clean drinking water, and excellent internet connectivity.

Farmers use smart machines to grow plenty of food, and young minds create amazing inventions that help the planet. Cities are full of beautiful parks, electric vehicles, and streets free of plastic waste. It is a land where every citizen has equal access to quality education, healthcare, and employment opportunities regardless of their background.

Ultimately, my dream India is a peaceful, prosperous, and inclusive society where progress goes hand in hand with humanity, making it a true global leader and a beacon of hope for the entire world.

JESUS – A HISTORY

JESUS CHRIST, BORN IN BETHLEHEM DURING THE ROMAN EMPIRE, BECAME ONE OF THE MOST INFLUENTIAL PEOPLE IN HISTORY. HIS TEACHINGS FOCUSED ON PEACE, FORGIVENESS, LOVE, AND KINDNESS. AS HE TRAVELED FROM PLACE TO PLACE, HE ENCOURAGED PEOPLE TO HELP THE POOR AND LIVE FAITHFULLY. MANY FOLLOWED HIM, INSPIRED BY HIS WORDS AND THE MIRACLES HE PERFORMED.

OPPOSITION GREW FROM SOME RELIGIOUS LEADERS, LEADING TO HIS ARREST IN JERUSALEM. HE WAS CRUCIFIED UNDER PONTIUS PILATE. CHRISTIANS BELIEVE HE ROSE FROM THE DEAD AFTER THREE DAYS. TODAY, JESUS IS REMEMBERED AROUND THE WORLD AS A SYMBOL OF HOPE, SACRIFICE, AND COMPASSION.

BY MEDWIN BIJU

The girl she was

- ANSHIKA
SREEKANTH
IX A

She was pretty
And she was smart
She was messy
But she was the art.

She was liked
By those who cared.
There was fear
But she wasn't scared.

She was happy
Enough to say
That she was smiling
Every day.

Trying so hard
To be the good
Expectations were high
And nobody understood

She wasn't perfect
Not at all.
People built her
They made her a doll

TYPES OF CROCODILES

CROCODILES	SPECIALTY
SALTWATER CROCODILE	Largest living reptile, found in Australia, India, SE Asia.
NILE CROCODILE	Africa, very aggressive, and common.
AMERICAN CROCODILE	found in Florida, Central / South America.
MUGGER CROCODILE	India, Sri Lanka, also called marsh crocodile - common in kerala.
GHARIAL	India/Nepal, very long thin snout for catching fish.
PHILIPPINE CROCODILE	A criticaly endangered species, endemic to the Philippines.
SIAMESE CROCODILE	Small, freshwater species, once widespread in SE Asia, now rare.

Leading Light

- ANSHIKA SREEKANTH
II A

MOM, FROM THE TIME
I WAS REALLY YOUNG,
I REALISED I HAD SOMEONE
IT WAS YOU.....
WHO ALWAYS PROTECTED ME
AND YOU WERE THERE FOR ME
YOU TAUGHT ME TO DO THE RIGHT THINGS,
AND FORCED ME TO DO THE RIGHT THINGS,
EVEN WHEN IT WAS HARD TO DO
YOU WERE WORRIED WHEN I WAS SICK
I LEARNED HOW TO OBEY,
MY LIFE BECOME SIMPLER, BETTER, RICHER
YOU WERE MY GUIDING LIGHT
NOW YOU ARE GUIDING THE LIGHT OF MY LIFE
MY HEART IS FILLED WITH LOVE FOR YOU
MY TEACHER, MY FRIEND, MY MOTHER.....

Article on Election & Common Man

Election day stands as the ultimate equalizer in a democracy, ensuring that the vote of a billionaire carries the same weight as that of an ordinary citizen. For the common man, the ballot is a vital tool to demand accountability and compel politicians to address everyday struggles such as inflation, jobs, and healthcare. While a gap often remains between campaign promises and reality, the rise of grassroots movements proves that voters can disrupt traditional political monopolies. By voting wisely, an ordinary person can shape the future and keep the government focused on public welfare.

PLANETS IN MILKY WAY

Poem- Our Home

A silver spiral in the deep, where billions of worlds softly Sleep Four rocky neighbors close and warm, where Earth protects us from the storm.

The past thr rocks, the gaints D Stride, with rings and storms and le. But look frozen pride. pride. But beyond our sun's embrace - To endless sphere in outer space.

A trillion worlds around the stars, Far past the reach of glowing Mars The milky way, a Cosmic sea, of undiscovered mystery.

Anugrah IX A Roll No.7

MEDIA AND DEMOCRACY

Media plays an **important role** in a democracy. It includes **news paper, television, radio** and **social media.**
Media provide information like Govt. Policies, election and imp events.

It helps Citizen make **informed decision** as and participate in **democratic activities.**

Media calo cuts a weuh watchclog by **exposing corruption** and **higlighting public issues.**

A **free** and **Responsible** meclica strengthens democracy by promoting, **transprancy, arcounablity** and freedom of **Roxpression.**

These love meclice is often called the **fourth Pillar of Democracy.**

A STRONG MEDIA BUILDS AN INFORMED CITIZEN.
AN INFORMED CITIZEN BUILDS A STRONG DEMOCRACY.

The Vital Role of Newspapers

In the world of digital noise, newspapers remain the bedrock of an informed society. Whether read on paper or a screen, they serve four essential functions. The
Talso enable individuals to express Opinions, raise awareness about issues and contribute to shaping the public agenda. In this way, newspapers Play an important role in democracy, providing a space for debate and dialogue.
In addition to offering news, newspapers often serve as a mirror to Social and cultural trends. Its primary role is to inform the public about local, national, and international news, covering topics politics, sports, and culture.

ANUGRAH P

CLASS IX

AI IN -EDUCATION

Artificial Intelligence is transforming education by providing personlized learning, autonomery administratione tasks, and offering real time feedback. While it significantly enhances accessibility and engagement, unprevised Use risks hindering Crictical thinking and Long-term retention Ultimately, AI is a powerful supplementary tool, not replacement for human teachers.

KEY ADVANTAGES

CORE CHALLANGES
PERSONALIZED LEARNING
CRICTICAL THINKING
TIME MANAGEMENT

RISKS

24/7 ACCESSIBILITY
ACADEMIC INTEGRITY

THEYYAM

Theyyam, also known as Kaliyattam, is an ancient, vibrant, and ritualistic dance from the North Malabar region of Kerala.
Believed to be thousands of years old, it transcends traditional performance art, functioning as a spiritual conduit where the mortal dancers transform into living gods

THAILAND -
A Journey beyond borders

Travelling to Thailand was one of the most exciting experiences of my life. Our journey began from Cochin Airport on 14th May, filled with excitement and curiosity. After a pleasant flight, we reached Bangkok early in the morning and soon travelled to Pattaya, a city famous for its beaches and vibrant atmosphere.

The first few days in Pattaya were filled with fun and adventure. We visited the 3D Art Museum, watched the colorful Alcazar show, explored the beautiful Nongnooch Village, and enjoyed the unique floating market. The best day is when we visited the Coral Island by speed boat. The blue sea, cool breeze, and thrilling activities like parasailing and jetskiing made the experience unforgettable.

EARTH DAY CELEBRATED WORLDWIDE – By Medwin Biju

Earth Day is celebrated worldwide every year on 22nd April to spread awareness about the importance of protecting our planet. Schools, colleges, and organizations conduct tree plantation drives, quizzes, rallies, poster-making competitions, and cleanliness campaigns to encourage environmental conservation.

Students actively participate in these activities and spread messages about reducing pollution, saving trees, conserving water, and protecting nature. Environmentalists also urge people to adopt eco-friendly habits such as recycling, avoiding single-use plastics, reducing waste, and keeping their surroundings clean.

Earth Day reminds us that even small actions can make a big difference. Together, we can help create a cleaner, greener, and healthier Earth for future generations.

ARTICLE ON WATER CONSERVATION

Water conservation is the practice of using water efficiently to reduce unnecessary waste and ensure its availability for future generations. Although water covers about 71% of the Earth's surface, less than 1% of the world's freshwater is easily accessible for human use. As the global population continues to grow, conserving water has become essential for human survival.

On an individual level, we can save water by repairing leaking taps and pipes, turning off taps when not in use, harvesting rainwater, and using water wisely in our daily activities. On a larger scale, governments and communities can promote sustainable water management through wastewater recycling, efficient irrigation systems, and public awareness campaigns.

In conclusion, water conservation is no longer a matter of choice but a necessity for our planet. By adopting simple water-saving habits today, we can protect this precious resource and ensure a safe and sustainable future for generations to come.

save water...save life

Proverbs In English

- Many hands make light work.
- Strike while the iron is hot.
- Honesty is the best policy.
- Don't judge a book by its cover.
- An apple a day keeps the doctor away.
- Better late than never.
- Rome wasn't built in a day.
- Actions speak louder than words.
- No pain, no gain.
- Curiosity killed the cat.
- Idle hands are the devil's workshop.
- Out of sight, out of mind.
- Easy come, easy go.
- The grass is always greener on the other side of the fence.

Water Conservation

Water is one of the most precious natural resources on Earth. Every living being depends on it for survival, yet only a small portion of the Earth's water is suitable for drinking. With increasing population, pollution, and climate change, conserving water has become more important than ever. Water conservation begins with simple everyday habits. Turning off the tap while brushing, fixing leaking pipes, taking shorter showers, and using buckets instead of running hoses can save hundreds of litres of water. Collecting rainwater and reusing water for gardening are also effective ways to reduce waste.

Saving water not only protects our future but also saves energy and money. Treating, pumping, and distributing water require electricity, so using less water helps reduce energy consumption and lowers household expenses. Conserving water also supports agriculture, protects rivers and lakes, and preserves habitats for plants and animals.

Schools, families, and communities all have a role to play in spreading awareness about the importance of water conservation. By adopting responsible habits and encouraging others to do the same, we can ensure that clean water remains available for future generations. Every drop counts. Small actions taken today can make a big difference tomorrow. Let us use water wisely and remember that saving water means saving life.

Earth Day

EARTH DAY IS CELEBRATED EVERY YEAR ON 22ND APRIL TO RAISE AWARENESS ABOUT PROTECTING OUR ENVIRONMENT AND PRESERVING OUR PLANET FOR FUTURE GENERATIONS. IT REMINDS US THAT THE EARTH IS OUR ONLY HOME AND THAT EVERY INDIVIDUAL HAS A RESPONSIBILITY TO KEEP IT CLEAN, GREEN, AND HEALTHY.

The increasing problems of pollution, deforestation, climate change, and plastic waste have made environmental conservation more important than ever. Earth Day encourages people to plant trees, reduce waste, recycle materials, save water, conserve electricity, and use eco-friendly products. Even small actions, such as carrying reusable bags, avoiding single-use plastics, and keeping our surroundings clean, can make a big difference.

Schools, communities, and organizations celebrate Earth Day by organizing tree plantation drives, cleanliness campaigns, awareness rallies, poster-making competitions, and educational programs. These activities inspire people to work together for a sustainable future.

Protecting nature also means protecting wildlife, rivers, forests, and the air we breathe. Every step we take today helps ensure a healthier planet for the generations to come.

Earth Day is not just a one-day event—it is a reminder that caring for the environment should become a daily habit. By respecting nature and making responsible choices, we can create a cleaner, greener, and safer world for everyone.

"The Earth does not belong to us; we belong to the Earth. Let us protect it every day."

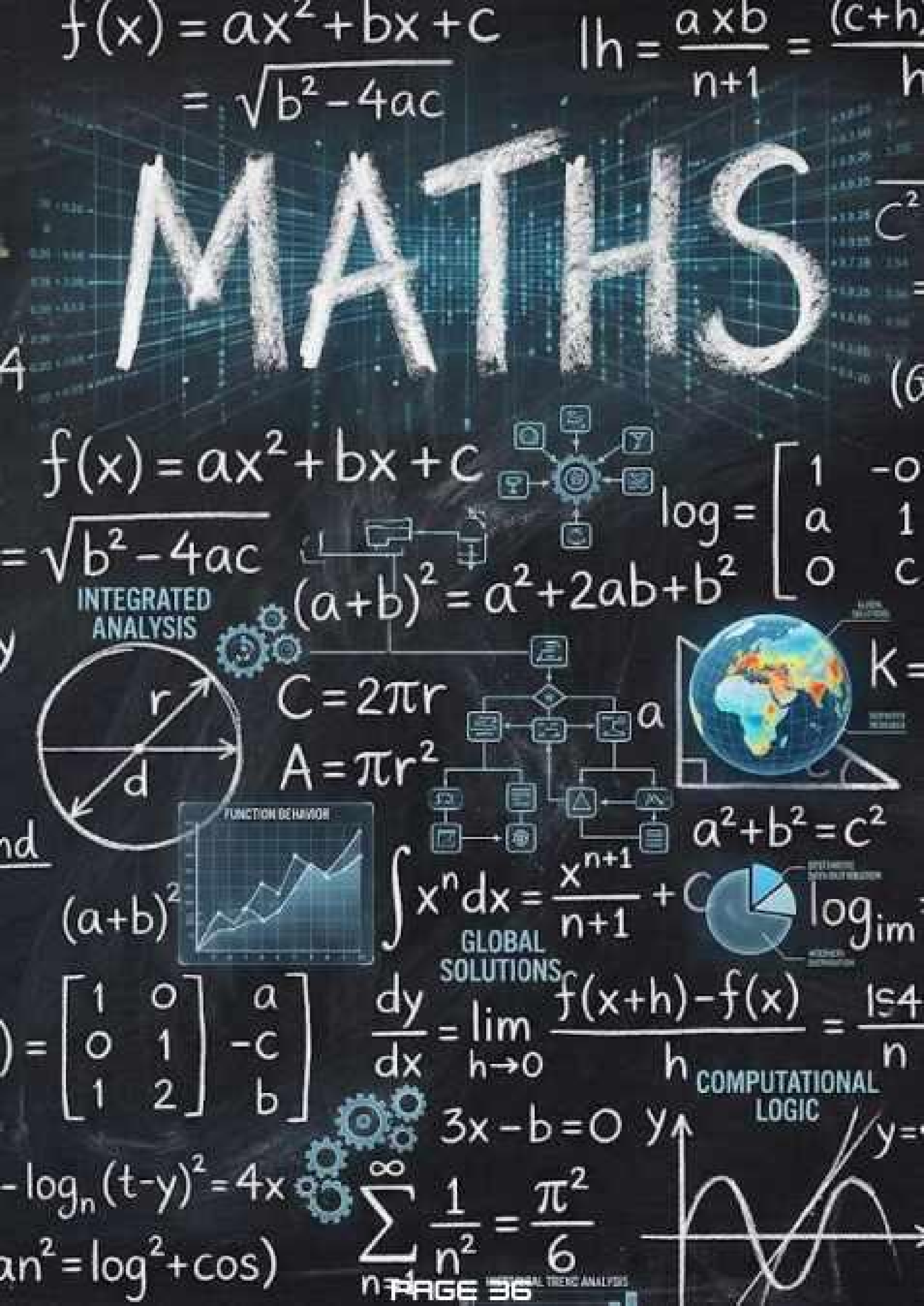

MATHS
f(x) = ax² + bx + c
= √(b² − 4ac)
INTEGRATED ANALYSIS
(a+b)² = a² + 2ab + b²
C = 2πr
A = πr²
a² + b² = c²
∫xⁿdx = xⁿ⁺¹/(n+1) + C
GLOBAL SOLUTIONS
dy/dx = lim h→0 (f(x+h) − f(x))/h
COMPUTATIONAL LOGIC
3x − b = 0
Σ 1/n² = π²/6

Math Tricks for Faster Calculation

Math tricks are simple shortcuts that make calculations faster and easier by using number patterns.

1. Multiply by 5

Trick: Divide the number by 2, then multiply by 10.

Example:

$36 \times 5 = (36 \div 2) \times 10 = 18 \times 10 = 180$

2. Multiply by 9

Trick: Multiply the number by 10, then subtract the original number.

Example:

$47 \times 9 = (47 \times 10) - 47 = 470 - 47 = 423$

3. Square Numbers Ending in 5

Trick: Multiply the first digit(s) by the next consecutive number, then write 25 at the end.

Example:

$82 \rightarrow 8 \times 9 = 72 \rightarrow 7225$

4. Find 10% Instantly

Trick: Move the decimal point one place to the left.

Example:

10% of 450 = 45

Bonus:

5% = Half of 10% = 22.5

15% = 10% + 5% = 67.5

FUNDAMENTAL ROLE OF MATHEMATICS IN DAILY LIFE

Have you ever wondered what mathematics has to do with unlocking your smartphone, withdrawing cash from an ATM, riding in a lift, or travelling in a car? Although we rarely notice it, mathematics is working behind the scenes every second. From simple arithmetic to advanced equations, it helps modern technology operate safely, quickly, and accurately.

1. Smartphones: A Pocket Full of Mathematics

A smartphone is much more than a device for calls and messages—it is a powerful mathematical machine.

When you tap an app, mathematical algorithms decide how quickly it opens. Every photo you take is made up of millions of tiny pixels, and mathematics processes these pixels to sharpen images, adjust brightness, and even recognise faces.

2. Lifts(Elevators): The Lifting Mathematics

Mathematics is used in lifts to ensure they operate safely and efficiently

Engineers use calculations to determine the maximum load, the speed of the lift, the strength of the cables, and the timing of the doors. Sensors also use mathematical algorithms to decide the shortest route when several floors are selected.

3 . Cars: The Moving Mathematics

Cars rely on mathematics in many ways. Speed, distance, fuel consumption, and braking distance are all calculated using mathematical formulas.

Modern cars also use mathematics in GPS navigation, engine control systems, anti-lock braking systems (ABS), and parking assistance to improve safety and performance.

4 . Electricity: Shocking Mathematics

Mathematics is essential in the generation, transmission, and use of electricity. Electricians and engineers use formulas to calculate voltage, current, resistance, and power. These calculations ensure that electrical appliances work safely, circuits are properly designed, and energy is used efficiently.

MATHEMAGICA

THE ULTIMATE GUIDE TO TRICK QUESTIONS & MATH MYSTERIES

THE MISSING DOLLAR MYSTERY!

DON'T BE FOOLED BY THE PHRASING!

If each friend paid $9 ($30 - $1 each),
The bellboy has $2.
$27 + $2 = $29.

WHERE DID THE $1 GO?

DON'T BE FOOLED BY E PHRASING!
The Hotel has $25, the Bellboy has $2, and the Friends have $3.
Total = $30

THE IMPOSSIBLE LOOP

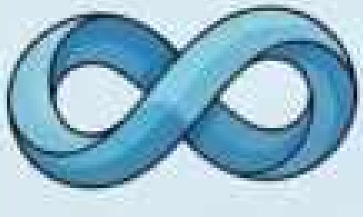

I have no beginning, no end, and I am everything. What am I?

A: A CIRCLE
(but with a twist!)

QUICK MATH TRICKS!

MULTIPLYING BY 11
(Two-Digit Number Trick!)

42 x 11: 4 + 2 = 6;
Answer: 462

INSTANT SQUARES
(Numbers Ending in 5!)

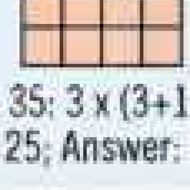

35 x 35: 3 x (3+1)=12, add 25; Answer: 1225

THE TALE OF THE TWE TWO TRAINS

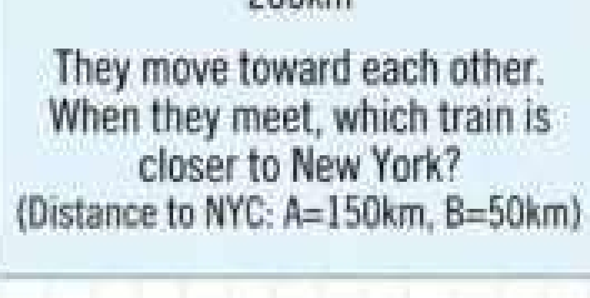

They move toward each other. When they meet, which train is closer to New York?
(Distance to NYC: A=150km, B=50km)

BRAIN BENDER: THE WEIGHT OF A BRICK

If a brick weighs 1kg plus half a brick, how much does the brick weigh?
(Hint: It's not not 1.5kg!)

MATH FUN FACT!

DID YOU KNOW ZERO (0) CANNOT BE WRITTEN IN ROMAN NUMERALS?

DID YOU KNOW A "JIFFY" IS A UNIT OF TIME?
(1/100th of a second!)

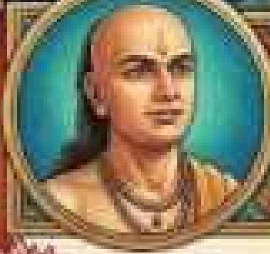

THE ZERO REVOLUTION

How Aryabhatta and the Indian System Shaped the Modern Digital World

The Tyranny of the Abacus

Before the Indian decimal place-value system, calculating was tedious physical ways, and how m nxpendious previous physical labor.. and lack of flexibility.

calculating was tedious physical labor... rested to lack of flexibility.

The Birth of Nothingness and Position

Between the 3rd and 5th centuries CE, Indian mathematicians conceptualized the number system the old Devana matnmatis and and early figures in of *sunya*, Sanskrit for "void".

Enter Aryabhatta: The Polymath of Pataliputra

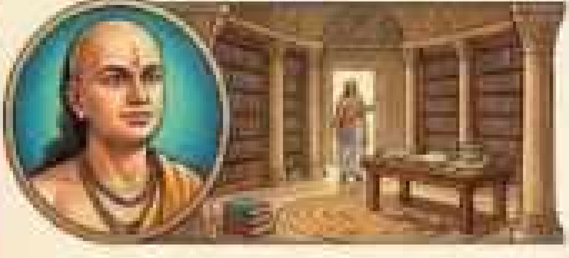

Born in 476 CE, in arnona Royabittos, 8 year taken CE. His masterpiece, the ***Aryabhatiya***, the library of the clasical Indian ***Aryabhatiya*** is the work of startling modernity.

$\pi \approx 3.1416$

The Global Journey of the Indian Numerals

By the 8th century, the system was translated in Baghdad, and corated in the boolc card of the Middle East, matochoweral, and tranomes of Al-Khwarizmi, mus echatta was, eventually Fibonacci, the eanusally Fibonacci, in institations, such as the europes, histor oil Renaissance.

Conclusion: The Binary Modernity

Digital universe and unders digital mathetns ancient in binary system... streamles ... binary system: 1s and 0s.

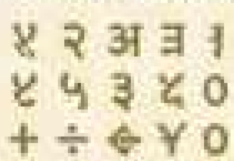

THE GALACTIC NUMBER CHALLENGE

UNRAVEL THE COSMIC EQUATIONS

SOLVE THE UNKNOWN NUMBERS BELOW
TO FIND THE FINAL CODE!

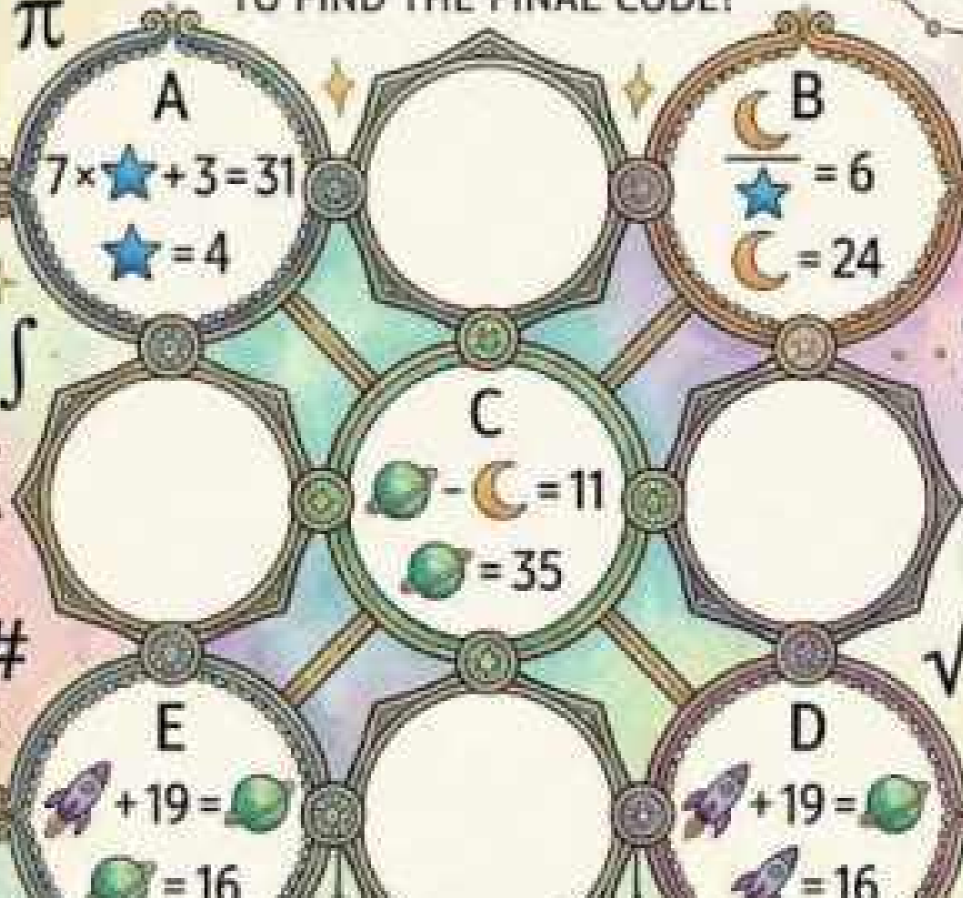

FIND THE ANSWERS & REVEAL THE COSMIC CODE!

MATHEMATICS *in* ARCHITECTURE

EXPLORING HOW GEOMETRY SHAPES THE WORLD AROUND US

Architecture and mathematics have been closely connected for thousands of years. Every bridge, building, and monument relies on geometric principles to ensure strength, balance, and beauty. Architects use shapes such as triangles, circles, and polygons to create stable structures, while symmetry and proportion make designs visually appealing. The Golden Ratio is often used to achieve harmony in famous landmarks. Measurements, angles, and calculations help engineers design safe and efficient buildings that can withstand natural forces. From ancient pyramids to modern skyscrapers, mathematics is the hidden language of architecture. It transforms creative ideas into functional masterpieces, proving that numbers and geometry are essential in shaping the world around us

Geometry builds beauty, mathematics creates strength, architecture shapes our future together.

Famous Indian Mathematicians and Their Contributions

India has a rich mathematical heritage that has influenced the world for centuries. Many Indian mathematicians made remarkable discoveries that continue to shape modern science, engineering, and technology. Their ideas are still studied and used today

1. ARYABHATA (476–550 CE)

Aryabhata was one of the greatest mathematicians and astronomers of ancient India. He wrote the famous book Aryabhatiya. He introduced methods for solving mathematical problems, calculated the value of π (pi) with great accuracy, and explained that the Earth rotates on its axis.

2. BRAHMAGUPTA (598–668 CE)

Brahmagupta made significant contributions to mathematics through his book Brahmasphutasiddhanta. He was among the first mathematicians to establish clear rules for using zero and negative numbers. He also developed methods for solving quadratic equations and introduced the famous Brahmagupta's Formula for finding the area of a cyclic quadrilateral.

3. BHASKARA II

Bhaskara II (c. 1114–1185), also known as Bhāskarāčārya, was a 12th-century Indian mathematician and astronomer whose writings represent one of the high points of medieval Indian mathematics. He is especially known for influential work in arithmetic, algebra, trigonometry, and astronomy, as well as for mathematical ideas that anticipated concepts later associated with calculus, although they were developed in a different historical context.

4. SRINIVASA RAMANUJAN

Srinivasa Ramanujan was a self-taught Indian mathematician whose work transformed number theory, infinite series, continued fractions, and the study of partitions. Despite limited formal mathematical training and a life cut short at age 32, he produced thousands of original results and is widely regarded as one of the greatest mathematical minds in history.

5. C. R. RAO

Calyampudi Radhakrishna Rao (1920–2023), widely known as C. R. Rao, was an Indian-born statistician and mathematician whose work helped establish many of the theoretical foundations of modern statistics. His ideas are used across science, engineering, economics, medicine, artificial intelligence, and data analysis, making him one of the most influential statisticians of the twentieth century.

Statistics in Daily Life

Statistics plays an important role in our daily lives by helping us collect, organize, analyze, and interpret information. In schools, students can conduct surveys on favorite sports, study hours, or preferred subjects to understand trends and make informed decisions. The collected data can be presented using bar graphs, pie charts, and line graphs, making information easy to compare and understand. Statistics helps teachers evaluate performance, schools improve planning, and students develop critical thinking skills. Beyond the classroom, statistics is widely used in business, healthcare, weather forecasting, sports analysis, and scientific research. It transforms raw numbers into meaningful insights that support better decisions every day.

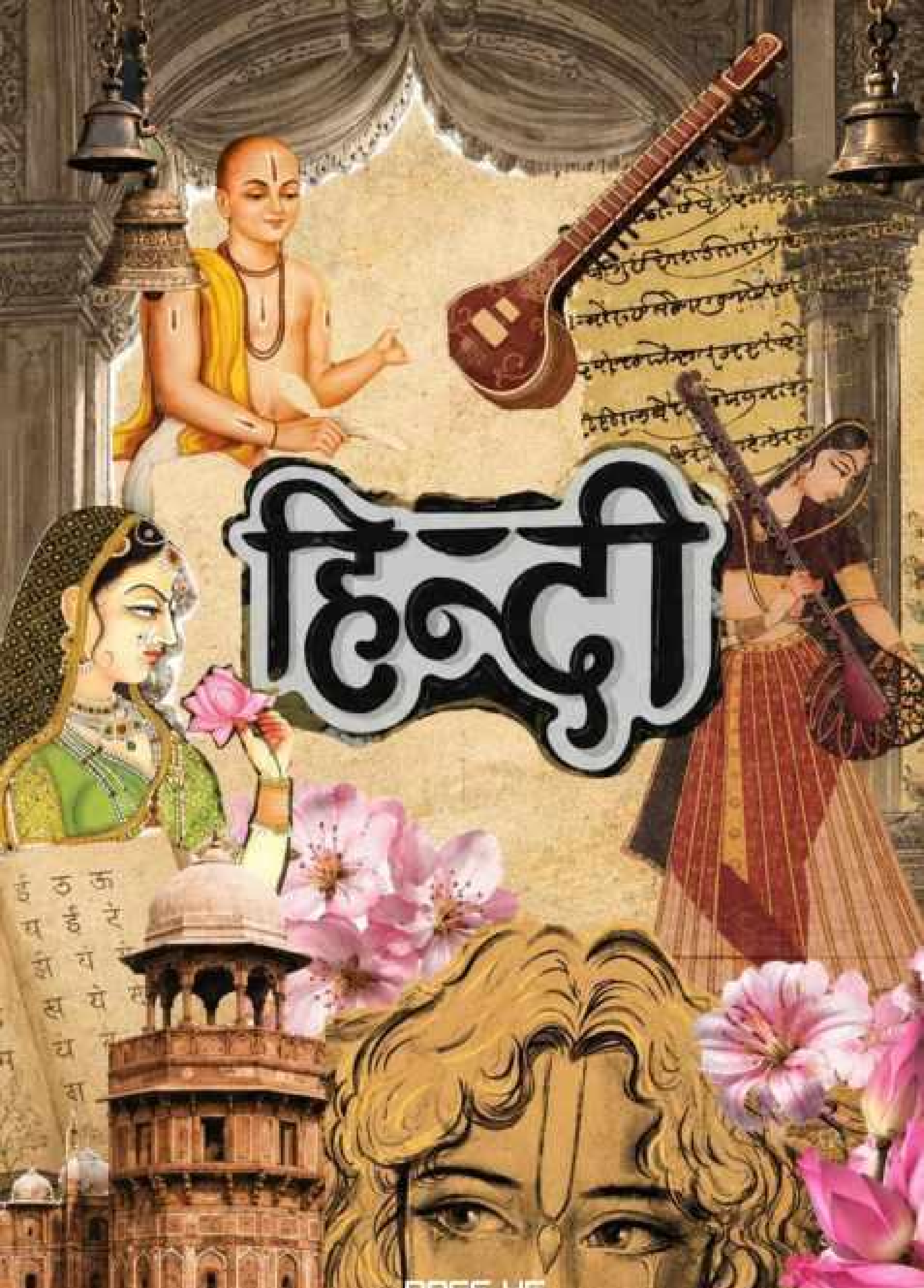
हिन्दी

स्वच्छ भारत अभियान

स्वच्छ भारत अभियान भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक महत्वपूर्ण अभियान है। इसका उद्देश्य देश को स्वच्छ और साफ़ बनाना है। हमें अपने घर, विद्यालय और आसपास के क्षेत्रों को साफ़ करना चाहिए। कचरा हमेशा कूड़ेदान में डालना चाहिए और प्लास्टिक का उपयोग कम करना चाहिए। स्वच्छता से बीमारियाँ कम होती हैं और पर्यावरण साफ़ एवं
सुरक्षित रहता है। इसलिए हमें स्वच्छ भारत अभियान में योगदान देना चाहिए।

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

चलते रहो

राह कठिन हो, पाँव थके हों,
फिर भी तुम चलते रहना।
मंज़िल चाहे दूर खड़ी हो,
हिम्मत से तुम बढ़ते रहना।
गिरना कोई हार नहीं है,
गिरकर उठना जीत है।
छोटे-छोटे कदम मिलाकर,
बड़ी सफलता की रीत है।
आज नहीं तो कल होगा,
मेहनत अपना रंग दिखाएगी।
जो रुकता नहीं अँधेरों में,
उसकी सुबह ज़रूर आएगी।

नेकी की राह

किसी की आँखों में आँसू हों,
तो बन जाना मुस्कान।

किसी के पथ में काँटे हों,
तो बन जाना आसान।

दौलत से सब कुछ मिल जाए,
यह ज़रूरी तो नहीं।

जिस दिल में करुणा बसती है,
उससे सुंदर दुनिया नहीं।

एक छोटी-सी मदद तुम्हारी,
किसी का दिन सँवार सकती है।

नेकी की एक छोटी चिंगारी,
पूरी दुनिया निखार सकती है।

खरगोश और जादुई गाजर

एक जंगल में एक छोटा खरगोश रहता था। उसका नाम गोलू था। गोलू बहुत मेहनती और ईमानदार था। वह रोज जंगल में घूमकर अपने लिए खाना ढूंढता था और सभी जानवरों के साथ प्यार से रहता था।एक दिन गोलू जंगल में खाना ढूँढ रहा था। तभी उसे जमीन में एक बहुत बड़ी गाजर दिखाई दी। गाजर इतनी बड़ी थी कि उसका आधा हिस्सा जमीन के अंदर था। गोलू ने उसे बाहर निकालने की बहुत कोशिश की, लेकिन वह गाजर को हिला भी नहीं पाया।
अचानक गाजर से आवाज आई, "अगर तुम मुझे बाहर निकालना चाहते हो, तो किसी की मदद लो।" यह सुनकर गोलू बहुत हैरान हुआ। वह तुरंत अपने दोस्त बंदर के पास गया और उसे पूरी बात बताई। बंदर गोलू के साथ गाजर के पास आया और दोनों ने मिलकर गाजर खींचने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हुए।फिर दोनों हिरण के पास गए और उसे भी अपने साथ ले आए। अब गोलू, बंदर और हिरण तीनों ने मिलकर पूरी ताकत से गाजर को खींचा। अचानक गाजर जमीन से बाहर निकल आई। गाजर कोई साधारण गाजर नहीं थी, बल्कि वह एक जादुई गाजर थी।

जादुई गाजर ने कहा, "तुम तीनों ने मिलकर मेहनत की है, इसलिए मैं तुम्हें एक इच्छा पूरी करने का मौका देती हूँ।" गोलू ने कुछ देर सोचा और कहा, "मुझे अपने लिए कुछ नहीं चाहिए। मैं चाहता हूँ कि मेरे जंगल में कोई भी जानवर भूखा न रहे।"
गोलू की बात सुनकर जादुई गाजर बहुत खुश हुई। उसने पूरे जंगल में तरह-तरह के फल, सब्जियाँ और खाने की चीजें उगा दीं। सभी जानवर बहुत खुश हुए और उन्होंने गोलू को धन्यवाद दिया।
उस दिन से जंगल में सभी जानवर मिल-जुलकर रहने लगे। वे एक-दूसरे की मदद करते और अपना भोजन भी बाँटकर खाते थे। गोलू ने सभी को सिखाया कि मिलकर काम करने और दूसरों की मदद करने से बड़ी से बड़ी समस्या भी आसानी से हल हो सकती है।

मेहनत का फल

एक छोटे से गाँव में रोहन नाम का एक लड़का रहता था। उसका परिवार बहुत साधारण था और उसके पिता किसान थे। रोहन पढ़ाई में बहुत तेज नहीं था, लेकिन उसमें मेहनत करने की आदत थी। उसके गाँव के कुछ बच्चे उसका मज़ाक उड़ाते थे और कहते थे कि वह कभी बड़ा आदमी नहीं बन सकता। रोहन उनकी बातों से दुखी तो होता था, लेकिन उसने हार नहीं मानी। वह रोज सुबह जल्दी उठता, अपने पिता के खेत में काम में मदद करता और फिर स्कूल जाता। स्कूल से लौटने के बाद वह कुछ घंटे पढ़ाई करता और जो विषय समझ में नहीं आते, उन्हें अपने शिक्षक से बार-बार पूछता। एक दिन उसके शिक्षक ने कहा, "रोहन, सफलता हमेशा सबसे बुद्धिमान व्यक्ति को नहीं मिलती, बल्कि उसे मिलती है जो लगातार मेहनत करता है।" यह बात रोहन के मन में बैठ गई। उसने अपनी पढ़ाई के लिए एक समय-सारणी बनाई और रोज उसका पालन करने लगा। शुरुआत में उसके अंक कम आए, लेकिन उसने निराश होने के बजाय अपनी गलतियों को समझा और फिर से मेहनत की। कुछ महीनों बाद उसके अंक पहले से बेहतर होने लगे। अगले वर्ष उसने अपनी कक्षा में सबसे अच्छे अंकों में से एक प्राप्त किया। उसके माता-पिता की आँखों में खुशी के आँसू आ गए। गाँव के वही बच्चे जो कभी उसका मज़ाक उड़ाते थे, अब उसकी प्रशंसा करने लगे। रोहन ने उनसे कहा, "मैं तुमसे ज्यादा होशियार नहीं था, मैंने बस हार मानने से इनकार किया।" कई वर्षों तक मेहनत करने के बाद रोहन ने एक बड़ी प्रतियोगी परीक्षा पास की और उसे एक अच्छी नौकरी मिल गई। जब वह अपने गाँव वापस आया, तो उसने सबसे पहले अपने माता-पिता और शिक्षक के पैर छुए। उसने कहा, "आज मैं जो कुछ भी हूँ, वह आपकी मेहनत और मेरे लगातार प्रयास की वजह से हूँ।" उसके शिक्षक मुस्कुराए और बोले, "याद रखना, सफलता एक दिन में नहीं मिलती। हर दिन की छोटी-छोटी मेहनत मिलकर बड़ी सफलता बनाती है।" रोहन ने अपने जीवन में इस बात को हमेशा याद रखा और आगे भी मेहनत करता रहा।

वीर सैनिक अर्जुन

एक छोटे से गाँव में अर्जुन नाम का एक लड़का रहता था। बचपन से ही उसका सपना था कि वह बड़ा होकर भारतीय सेना में भर्ती हो और अपने देश की सेवा करे। वह अपने माता-पिता का बहुत सम्मान करता था और पढ़ाई के साथ-साथ रोज सुबह दौड़ और व्यायाम करता था।

अर्जुन के पिता हमेशा उससे कहते थे, "बेटा, देश की सेवा करना बहुत बड़ा सम्मान है, लेकिन एक अच्छा सैनिक बनने के लिए साहस के साथ अनुशासन और ईमानदारी भी जरूरी है।" अर्जुन अपने पिता की बात ध्यान से सुनता और अपने लक्ष्य के लिए लगातार मेहनत करता।

कई वर्षों की मेहनत के बाद अर्जुन भारतीय सेना में भर्ती हो गया। ट्रेनिंग के दौरान उसे बहुत कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। कभी तेज धूप में दौड़ना पड़ता, कभी ठंड में अभ्यास करना पड़ता। कई बार वह थक जाता, लेकिन अपने देश की रक्षा करने का सपना उसे आगे बढ़ने की ताकत देता।

कुछ समय बाद अर्जुन की पोस्टिंग सीमा के पास हुई। एक रात मौसम बहुत खराब था। तेज हवाएँ चल रही थीं और चारों ओर अंधेरा था। अर्जुन और उसके साथी सैनिक पूरी सतर्कता से अपनी ड्यूटी कर रहे थे। अचानक उन्हें एक संदिग्ध गतिविधि दिखाई दी।

अर्जुन ने तुरंत अपने अधिकारी को सूचना दी। सभी सैनिकों ने मिलकर सावधानी से स्थिति को संभाला। उनकी सतर्कता और अनुशासन के कारण किसी बड़ी परेशानी को समय रहते रोका जा सका। अर्जुन ने समझा कि सैनिक का काम केवल हथियार उठाना नहीं, बल्कि हर समय जिम्मेदारी और समझदारी से काम करना भी है।

कुछ दिनों बाद अर्जुन को अपने गाँव से पत्र मिला। उसकी माँ ने लिखा था, "हमें तुम पर गर्व है। तुम दूर रहकर भी अपने देश और लाखों लोगों की रक्षा कर रहे हो।" पत्र पढ़कर अर्जुन की आँखों में खुशी के आँसू आ गए। उसने मन ही मन प्रण किया कि वह हमेशा ईमानदारी और साहस के साथ अपनी ड्यूटी निभाएगा।

अर्जुन ने अपने साथियों से कहा, "हमारी सबसे बड़ी ताकत हमारी एकता है। जब हम एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं, तो कठिन से कठिन परिस्थिति का सामना कर सकते हैं।" सभी सैनिकों ने एक-दूसरे का हौसला बढ़ाया और अपनी जिम्मेदारी निभाते रहे।

समय बीतता गया और अर्जुन अपने गाँव के बच्चों के लिए प्रेरणा बन गया। जब भी वह छुट्टी पर घर आता, बच्चों से कहता, "देश की सेवा केवल सेना में जाकर ही नहीं होती। ईमानदारी से अपना काम करना, दूसरों की मदद करना और देश का सम्मान करना भी देशभक्ति है।"

अर्जुन की कहानी पूरे गाँव में प्रसिद्ध हो गई। गाँव के लोग अपने बच्चों को उसकी तरह मेहनती, अनुशासित और जिम्मेदार बनने की सीख देने लगे। अर्जुन को गर्व था कि वह अपने देश के लिए कुछ कर पा रहा है।

सीख: सच्ची देशभक्ति केवल शब्दों में नहीं, बल्कि ईमानदारी, अनुशासन, साहस और जिम्मेदारी से किए गए कार्यों में होती है।

शेर और चतुर खरगोश

एक घने जंगल में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था। वह
ज किसी न किसी जानवर का शिकार करता था। जंगल
के सभी जानवर उससे बहुत डरते थे। एक दिन सभी
जानवरों ने मिलकर शेर से कहा कि वह रोज शिकार न
करे। इसके बदले हर दिन एक जानवर खुद उसके पास
जिन बनने के लिए आएगा। शेर ने उनकी बात मान ली।
क दिन एक छोटे खरगोश की बारी आई। खरगोश बहुत
समझदार था। वह जान-बूझकर शेर के पास देर से
हुँचा। शेर बहुत गुस्से में था। उसने दहाड़कर पूछा, "तुम
इतनी देर से क्यों आए?" खरगोश ने डरते हुए कहा,
महाराज, मैं अकेला नहीं आ रहा था। मेरे साथ एक और
खरगोश भी था, लेकिन रास्ते में एक दूसरे शेर ने उसे
पकड़ लिया।"

यह सुनकर शेर बहुत क्रोधित हो गया। उसने कहा, "इस जंगल में दूसरा शेर कौन है? मुझे उसके पास ले चलो!" खरगोश शेर को एक गहरे कुएँ के पास ले गया। उसने कुएँ के अंदर देखने को कहा। शेर ने पानी में अपनी [illegible] दिखी और उसे दूसरा शेर समझ लिया। गुस्से में [illegible] र से दहाड़ लगाई। कुएँ से उसकी आवाज वापस [illegible] को लगा कि दूसरा शेर भी उसे चुनौती दे रहा है। वह बिना सोचे कुएँ में कूद गया। कुआँ बहुत गहरा था और शेर बाहर नहीं निकल सका। इस तरह खरगोश ने अपनी बुद्धि से पूरे जंगल को शेर के डर से बचा लिया।सभी जानवर बहुत खुश हुए। उन्होंने खरगोश की खूब प्रशंसा की। खरगोश ने कहा, "ताकत से बड़ी बुद्धि होती है। हमें मुश्किल समय में घबराने के बजाय समझदारी से काम लेना चाहिए।"

अनुशासन

सपने देखना अच्छी बात है,
पर उनको सच करना सीखो।
समय मिले तो व्यर्थ न खोओ,
हर पल का सम्मान करना सीखो।

सुबह की पहली किरण कहे,
“उठो, तुम्हें आगे जाना है।”
छोटी आदत, छोटा प्रयास,
कल बड़ा परिणाम लाना है।

प्रतिभा कुछ दूर ले जाती है,
अनुशासन मंज़िल देता है।
जो अपने मन को जीत सके,
वही जीवन को जीत लेता है।

रुकना मत

जब सपनों का रास्ता धुँधलाहो,
तब आँखों में विश्वास रखना।

जब दुनिया कहे "नहीं होगा",
तब दिल में एक आस रखना।

मुश्किलें तो आएँगी ही,
इनसे कभी घबराना मत।

हज़ार बार यदि हार मिले,
फिर भी कोशिश छोड़ना मत।

ोंकि जीत उसी की होती है,
अंत तक मैदान में रहता है।

तूफ़ानों से लड़ने वाला ही,
एक दिन आसमान छूता है।

उड़ान

पंख नहीं हैं, फिर भी उड़ना,
सपनों को सच करना है।

रास्तों में चाहे पत्थर हों,
फिर भी आगे बढ़ना है।

आकाश किसी का अपना नहीं,
जो चाहे, वह छू सकता है।

बस हौसलों की लौ जलाकर,
इंसान बहुत कुछ कर सकता है।

डर को पीछे छोड़कर चलो,
विश्वास को अपना साथी बनाओ।

मंज़िल चाहे कितनी दूर हो,
अपनी उड़ान को मत रोक पाओ।

हर दिन एक कदम

हर दिन थोड़ा सीखो तुम,
हर दिन थोड़ा बढ़ते जाओ।

कल से बेहतर बनने का,
बस अपना संकल्प निभाओ।

बड़ी सफलता एक दिन में,
कभी नहीं मिल पाती है।

बूँद-बूँद से सागर भरता,
ईंट-ईंट से दीवार बनती है।

छोटा कदम भी महत्वपूर्ण है,
यदि दिशा सही हो जाए।

लगातार मेहनत करने वाला,
एक दिन इतिहास बनाए।

छोटी कोशिश

एक कदम से राह बनती,
एक बूँद से सागर।

एक विचार बदल सकता है,
जीवन का पूरा सफ़र।

छोटी कोशिश छोटी मत समझो,
यही बड़ा बदलाव लाती है।

एक अच्छी आदत धीरे-धीरे,
पूरी ज़िंदगी सँवार जाती है।

आज अगर तुम थोड़ा बदलो,
कल नया संसार मिलेगा।

मेहनत की हर छोटी चिंगारी,
एक दिन प्रकाश बनेगी।

दयालु बनो

ऊँचा पद मिल जाए तुमको,
फिर भी सरल बने रहना।
जीत मिले तो विनम्र रहना,
हार मिले तो सब्र करना।
जो तुमसे कमजोर दिखाई दे,
उसका हाथ पकड़ लेना।
जिसे सहारे की ज़रूरत हो,
उसके पास खड़े रहना।
इंसान बड़ा धन से नहीं,
अपने कर्मों से होता है।
जिसके कारण कोई मुस्काए,
वही सच में बड़ा होता है।

कैप्टन विक्रम बत्रा – शेरशाह

1999 में भारत और पाकिस्तान के बीच कारगिल युद्ध हुआ। पाकिस्तान की सेना और घुसपैठियों ने कारगिल की ऊँची पहाड़ियों पर कई महत्वपूर्ण स्थानों पर कब्जा कर लिया था। भारतीय सेना ने इन चोटियों को वापस लेने के लिए कठिन लड़ाई शुरू की। ऊँचे पहाड़, बर्फीला मौसम और दुश्मन की गोलीबारी के बावजूद भारतीय सैनिक अपने मिशन पर डटे रहे।

इसी युद्ध में भारतीय सेना के एक बहादुर अधिकारी थे कैप्टन विक्रम बत्रा। उनका जन्म 9 सितंबर 1974 को हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में हुआ था। बचपन से ही उनमें देश के लिए कुछ करने का जज़्बा था। वे भारतीय सेना में शामिल हुए और बाद में 13 जम्मू एंड कश्मीर राइफल्स में अधिकारी बने।

कारगिल युद्ध के दौरान कैप्टन बत्रा की यूनिट को एक महत्वपूर्ण चोटी पर कब्जा करने का आदेश मिला। यह मिशन बहुत कठिन था, क्योंकि चोटी बहुत ऊँचाई पर थी और दुश्मन ने मजबूत मोर्चे बना रखे थे। भारतीय सैनिकों ने रात के अंधेरे में पहाड़ पर चढ़ना शुरू किया।

कैप्टन बत्रा अपने सैनिकों का नेतृत्व करते हुए सबसे आगे बढ़ रहे थे। उन्होंने अपने साथियों का हौसला बढ़ाया और कठिन परिस्थितियों में भी पीछे नहीं हटे। आखिरकार भारतीय सैनिकों ने बहादुरी से लड़ते हुए चोटी पर कब्जा कर लिया।

इस सफलता के बाद कैप्टन बत्रा ने अपने साथियों के बीच जोश भरते हुए प्रसिद्ध शब्द कहे—"ये दिल माँगे मोर!" उनके साहस और नेतृत्व ने उन्हें सैनिकों के बीच बेहद लोकप्रिय बना दिया।

इसके बाद उन्हें एक और महत्वपूर्ण मिशन की जिम्मेदारी मिली। इस अभियान में दुश्मन की मजबूत स्थिति को हटाना था। कैप्टन बत्रा और उनके साथी सैनिक आगे बढ़े। लड़ाई बहुत कठिन थी, लेकिन उन्होंने अपने सैनिकों का नेतृत्व करते हुए दुश्मन के खिलाफ मोर्चा संभाला।

7 जुलाई 1999 को पॉइंट 4875 के पास एक अभियान के दौरान कैप्टन बत्रा ने अपने घायल साथी अधिकारी को बचाने की कोशिश की। इसी दौरान वे गंभीर रूप से घायल हो गए और वीरगति को प्राप्त हुए। उनकी उम्र केवल 24 वर्ष थी।

कैप्टन विक्रम बत्रा के अदम्य साहस, नेतृत्व और सर्वोच्च बलिदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र, भारत का सर्वोच्च सैन्य सम्मान, प्रदान किया।

उनकी कहानी आज भी देश के लोगों को प्रेरणा देती है। उन्होंने दिखाया कि एक सच्चा सैनिक अपने साथियों और देश की सुरक्षा के लिए अपना जीवन तक न्योछावर कर सकता है। उनका साहस भारतीय सेना के इतिहास में हमेशा याद किया जाएगा।

सीख: देश की सेवा में साहस, कर्तव्य और निस्वार्थ भावना सबसे बड़ी शक्ति होती है।

तुम कर सकते हो

तुममें सूरज जैसी गर्मी,
तुममें दीपक जैसी लौ।

देखो अपने भीतर झाँककर,
अपनी शक्ति को पहचानो।

दूसरों से मत तुलना करना,
अपनी राह स्वयं बनाना।

कल जहाँ तुम खड़े थे,
आज उससे आगे बढ़ जाना।

विश्वास अगर मन में होगा,
तो मुश्किल छोटी लगती है।

जिसने खुद पर विश्वास किया,
उसकी दुनिया बदलती है।

कल का विद्यार्थी

आज किताबों में जो सीखो,

कल जीवन में काम आएगी।
आज की छोटी-सी मेहनत,
कल नई पहचान बनाएगी।

प्रश्न करो और खोजते जाओ,
गलती से भी सीखते जाओ।

सिर्फ़ अंकों के पीछे मत भागो,
ज्ञान का दीप जलाते जाओ।

तुम ही कल की आशा हो,
तुमसे नया सवेरा होगा।

जिस दिन तुमने खुद को गढ़ा,
उस दिन देश का भविष्य सँवरेगा।

स्कूल ने मुझे जो यादें दिया

स्कूल जीवन एक विद्यार्थी के जीवन के सबसे सुंदर चरणों में से एक है। यह वह समय होता है जब हम सीखते हैं, बढ़ते हैं और अविस्मरणीय यादें बनाते हैं। स्कूल केवल गणित, विज्ञान और अंग्रेजी जैसे विषय पढ़ने की जगह नहीं है, बल्कि यह वह स्थान भी है जहाँ हम अनुशासन, नम्रता, टीमवर्क और संस्कार सीखते हैं।
हर स्कूल का दिन नए अनुभव लेकर आता है। सुबह की प्रार्थना सभा, कक्षा की गतिविधियाँ, खेल, समारोह और स्कूल यात्राएं हमारे दिलों में विशेष यादें बन जाती हैं। शिक्षक हमारे मार्गदर्शक बनकर हमें बेहतर इंसान बनने में सहायता करते हैं। मित्र स्कूल जीवन को खुशहाल और रोमांचक बनाते हैं। साथ में भोजन करना, पढ़ाई करना और खेल समय में हँसना ऐसी यादें बनाता है जो हमेशा हमारे साथ रहती हैं।

स्कूल जीवन की यादें कई वर्षों बाद भी अनमोल बनी रहती हैं। पुरानी कक्षाएँ, यूनिफॉर्म, विदाई के दिन और मजेदार पल अक्सर हमारे चेहरे पर मुस्कान ले आते हैं। जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, हमें एहसास होता है कि स्कूल जीवन केवल शिक्षा के बारे में नहीं था, बल्कि खुशी, दोस्ती और व्यक्तिगत विकास के बारे में भी था।
अंत में, स्कूल जीवन आनंद, सीखने और सुंदर यादों से भरा एक सुनहरा समय है। स्कूल से मिलने वाले अनुभव और सीख हमारे पूरे जीवन के साथ रहते हैं और हमारे भविष्य को आकार देते हैं।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम – सपनों से सफलता तक

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक साधारण परिवार में हुआ था। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत नहीं थी, लेकिन कलाम बचपन से ही मेहनती और पढ़ाई के प्रति समर्पित थे। वे अपने परिवार की मदद करने के लिए अखबार भी बाँटते थे और साथ-साथ अपनी पढ़ाई जारी रखते थे। बचपन से ही उन्हें आकाश, पक्षियों और उड़ने वाली चीजों में बहुत रुचि थी। उनका सपना था कि वे एक दिन विमान और अंतरिक्ष से जुड़े क्षेत्र में काम करें। उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद एयरोस्पेस इंजीनियरिंग की शिक्षा ली और आगे चलकर भारत के अंतरिक्ष तथा रक्षा कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने ISRO में काम करते हुए भारत के सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और बाद में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन में भी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं से जुड़े। उनके जीवन में कई चुनौतियाँ और असफलताएँ आईं, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। वे मानते थे कि असफलता हमें अपनी गलतियों से सीखने का अवसर देती है। उनकी मेहनत और योगदान के कारण वे पूरे देश में लोकप्रिय हुए और लोग उन्हें प्यार से "मिसाइल मैन ऑफ इंडिया" कहने लगे। वर्ष 2002 में वे भारत के राष्ट्रपति बने और 2007 तक इस पद पर रहे। राष्ट्रपति बनने के बाद भी वे बच्चों और युवाओं से मिलना पसंद करते थे। वे विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने, ज्ञान प्राप्त करने और अपने लक्ष्य के लिए लगातार मेहनत करने के लिए प्रेरित करते थे। उनका जीवन हमें सिखाता है कि महान बनने के लिए जरूरी नहीं कि व्यक्ति किसी बड़े परिवार में पैदा हो; दृढ़ संकल्प, मेहनत, अनुशासन और सीखने की इच्छा इंसान को ऊँचाइयों तक पहुँचा सकती है। डॉ. कलाम ने अपना जीवन देश और युवाओं को प्रेरित करने में लगा दिया। 27 जुलाई 2015 को विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनका निधन हुआ, लेकिन उनके विचार और उनका जीवन आज भी करोड़ों लोगों को प्रेरणा देता है। सीख: बड़े सपने देखिए, मेहनत कीजिए, असफलताओं से सीखिए और अपने ज्ञान का उपयोग देश और समाज की भलाई के लिए कीजिए।

हार से सीखो

हार मिली तो बैठ न जाना,
उससे कुछ सीखो तुम।

गलती हुई तो डरना कैसा,
फिर से कोशिश करो तुम।

जीवन कोई सीधी राह नहीं,
इसमें मोड़ भी आते हैं।

जो गिरकर फिर उठते हैं,
वही आगे बढ़ पाते हैं।

असफलता बस अंत नहीं है,
यह शुरुआत भी हो सकती है।

आज की छोटी -सी ठोकर,
कल की शक्ति बन सकती है।

चंद्रयान-3 – चाँद पर भारत की ऐतिहासिक जीत

23 अगस्त 2023 का दिन भारत के इतिहास में हमेशा याद किया जाएगा। इस दिन भारत ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में एक बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, यानी ISRO, का चंद्रयान-3 मिशन सफलतापूर्वक चंद्रमा की सतह पर उतरा। चंद्रयान-3 को 14 जुलाई 2023 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया गया था। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित लैंडिंग करना और वहाँ वैज्ञानिक प्रयोग करना था।चंद्रयान-3 में एक लैंडर, एक रोवर और एक प्रोपल्शन मॉड्यूल था। लैंडर का नाम विक्रम और रोवर का नाम प्रज्ञान रखा गया था। वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने इस मिशन के लिए कई वर्षों तक मेहनत की थी।चंद्रयान-3 के चंद्रमा की ओर बढ़ने के दौरान ISRO की टीम लगातार उसकी गतिविधियों पर नजर रख रही थी। अंतरिक्ष में छोटी-सी गलती भी मिशन को प्रभावित कर सकती थी, इसलिए हर चरण की बहुत सावधानी से निगरानी की जा रही थी।

23 अगस्त को विक्रम लैंडर ने चंद्रमा की सतह की ओर उतरना शुरू किया। ISRO के वैज्ञानिक बहुत उत्सुक और चिंतित थे। जैसे-जैसे लैंडर नीचे जा रहा था, पूरी टीम उसकी स्थिति पर नजर रख रही थी।
फिर वह ऐतिहासिक क्षण आया। विक्रम लैंडर ने चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग की। भारत चंद्रमा पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश बना और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के पास उतरने वाला पहला देश बना।लैंडिंग के बाद रोवर प्रज्ञान ने लैंडर से बाहर निकलकर चंद्रमा की सतह पर चलना शुरू किया। रोवर ने अपने वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से चंद्रमा की मिट्टी और वातावरण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी एकत्र की।

ISRO के वैज्ञानिकों ने इस मिशन के माध्यम से चंद्रमा की सतह और उसके दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के बारे में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त की। इस सफलता ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को पूरी दुनिया में नई पहचान दिलाई।चंद्रयान-3 की सफलता केवल वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की सफलता नहीं थी। इसके पीछे वर्षों की मेहनत, असफलताओं से मिली सीख, धैर्य और टीमवर्क था। ISRO की टीम ने दिखाया कि कठिन लक्ष्य भी लगातार प्रयास से हासिल किए जा सकते हैं।

चंद्रयान-3 ने भारत के लाखों बच्चों और युवाओं को अंतरिक्ष विज्ञान की ओर प्रेरित किया। इस मिशन ने यह संदेश दिया कि सपने बड़े हों और मेहनत ईमानदारी से की जाए, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

सच्चाई की जीत

झूठ भले ही तेज़ चले,
सच धीरे-धीरे चलता है।
लेकिन अंत में सच्चाई का,
सूरज ही तो निकलता है।
रास्ते में लाभ मिले तो भी,
ईमान कभी मत छोड़ना।
अपने छोटे से स्वार्थ के कारण,
सच्चाई से मुँह मत मोड़ना।
चरित्र ही असली धन है,
इसे हमेशा संभालकर रखना।
दुनिया चाहे कुछ भी बोले,
सच की राह पर चलते रहना।

ऑपरेशन ट्राइडेंट – भारतीय नौसेना की वीरता

साल 1971 था। भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की स्थिति बन चुकी थी। भारतीय सशस्त्र सेनाएँ देश की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार थीं। समुद्र में भारतीय नौसेना की भूमिका भी बहुत महत्वपूर्ण होने वाली थी।
4 दिसंबर 1971 की रात भारतीय नौसेना ने एक महत्वपूर्ण अभियान शुरू किया, जिसे ऑपरेशन ट्राइडेंट कहा गया। इसका उद्देश्य पाकिस्तान के कराची बंदरगाह के आसपास मौजूद महत्वपूर्ण सैन्य और नौसैनिक ठिकानों पर हमला करना था।
इस अभियान में भारतीय नौसेना की मिसाइल नौकाएँ शामिल थीं। इन छोटी लेकिन तेज नौकाओं में ऐसी मिसाइलें थीं जो समुद्र से दूर स्थित लक्ष्यों को निशाना बना सकती थीं। भारतीय नौसैनिकों ने बेहद सावधानी से अरब सागर में आगे बढ़ना शुरू किया।
रात का समय था और समुद्र शांत था। भारतीय जहाज बिना अपनी स्थिति को आसानी से उजागर किए कराची के पास पहुँच रहे थे। सभी सैनिक और अधिकारी अपने-अपने काम पर पूरी तरह ध्यान दे रहे थे।
जब भारतीय नौसेना के जहाज लक्ष्य के करीब पहुँचे, तो उन्होंने दुश्मन के महत्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बनाया। मिसाइल हमलों से पाकिस्तान के कई महत्वपूर्ण नौसैनिक और ईंधन भंडारण ठिकानों को नुकसान पहुँचा।
इस अभियान में पाकिस्तानी नौसेना का एक प्रमुख युद्धपोत PNS Khaibar भी डूब गया। भारतीय नौसेना की इस कार्रवाई से पाकिस्तान के कराची बंदरगाह को भारी नुकसान हुआ और वहाँ बड़े पैमाने पर आग लग गई।
भारतीय नौसैनिकों ने अपना मिशन पूरा करने के बाद सुरक्षित रूप से वापसी की। इस सफल अभियान ने भारतीय नौसेना की क्षमता और साहस को पूरी दुनिया के सामने दिखाया।
4 दिसंबर को भारत में नौसेना दिवस मनाया जाता है। ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता को भारतीय नौसेना के इतिहास की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में गिना जाता है।
इस अभियान में शामिल अधिकारियों और नाविकों ने अनुशासन, साहस और टीमवर्क का शानदार उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने दिखाया कि सही योजना और एकजुट प्रयास से कठिन से कठिन मिशन भी सफल बनाया जा सकता है।
सीख: देश की रक्षा में साहस के साथ अनुशासन, टीमवर्क और कर्तव्यनिष्ठा भी बहुत महत्वपूर्ण हैं।

दीपक बनो

अँधेरा कितना भी गहरा हो,
एक दीपक काफी है।

मुश्किल कितनी भी बड़ी हो,
एक हिम्मत काफी है।

दुनिया को बदलने से पहले,
अपने भीतर प्रकाश करो।

जहाँ मिले कोई निराश खड़ा,
उसके मन में विश्वास भरो।

जलना पड़े तो जलते रहना,
पर राह को रोशन करना।

अपने जीवन का अर्थ यही—
खुद चमको, औरों को चमकाना।

तुम्हारा कल

आज तुम्हारे हाथों में है,
कल का सुंदर सपना।
आज की मेहनत तय करेगी,
कल का अपना चेहरा।
समय नदी -सा बहता जाता,
पीछे लौटकर आता नहीं।
जो अवसर आज मिला है तुमको,
वह फिर शायद मिलता नहीं।
इसलिए उठो, प्रयास करो,
अपने सपनों को आकार दो।
दुनिया बदलने से पहले,
खुद को थोड़ा बेहतर बना लो।
एक दिन पीछे मुड़कर देखोगे,
तो गर्व तुम्हें खुद पर होगा –
क्योंकि तुम्हारा हर छोटा प्रयास,
तुम्हारे कल का आधार होगा।

हमारी माँ

ऊँगली पकड़ के चलना सिखाया,
गिर-गिर कर संभलना सिखाया।
मेरी हर खुशी के लिए जिसने,
अपना ही सुख-चैन गँवाया।
कोई नहीं इस जहाँ में जो ले सके माँ तुम्हारी जगह,
तुम ही मेरी पहली दुनिया हो,
और तुम ही हो मेरी आख़िरी पनाह।
तेरी ममता की छाँव में हर दुख दूर हो जाता है,
तेरे आँचल का हर कोना जन्नत-सा नज़र आता है।
जब-जब जीवन की राहों में अँधेरा छा जाता है,
माँ, तेरी दुआओं का दीपक मेरा रास्ता दिखाता है।
तेरी मुस्कान से घर में खुशियों का सवेरा होता है,
तेरे होने से ही हर दिन मेरा सुनहरा होता है।
अपने सपनों को भूलकर मेरे सपनों को सजाया,
हर मुश्किल से लड़कर तूने मुझे आगे बढ़ाया।
तेरा ऋण मैं जीवन भर कभी चुका नहीं पाऊँगा,
हर जन्म में बस तुझे ही अपनी माँ के रूप में पाऊँगा।
भगवान का सबसे सुंदर उपहार हो तुम,
मेरे जीवन की सबसे बड़ी ताकत और सबसे बड़ा प्यार हो तुम।
माँ, तेरे चरणों में मेरा हर सम्मान रहे,
जब तक साँस चले, तेरा ही नाम रहे।

Sachin TENDULKAR

MASTER BLASTER

सचिन रमेश तेंदुलकर को "क्रिकेट का भगवान" माना जाता है। उन्होंने 1989 में अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर की शुरुआत की। इस महान भारतीय बल्लेबाज़ ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक लगाए और 34,000 से अधिक रन बनाए। उन्हें 2014 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। वे यह सम्मान पाने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति और पहले खिलाड़ी हैं।

अंतरराष्ट्रीय करियर और उपलब्धियाँ

- अंतरराष्ट्रीय पदार्पण: 15 नवंबर 1989 को पाकिस्तान के खिलाफ कराची में अपना पहला टेस्ट मैच खेला।
- पहला दोहरा शतक (वनडे): 24 फरवरी 2010 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ग्वालियर में वनडे क्रिकेट का पहला दोहरा शतक लगाया।
- विश्व कप जीत: 2011 में भारत की विश्व कप विजेता टीम के प्रमुख सदस्य रहे।
- संन्यास: नवंबर 2013 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया।

बल्ब :- सही मार्ग का प्रकाश

नशा जीवन में अंधकार लाता है, जबकि ज्ञान का प्रकाश हमें सही दिशा दिखाता है। विद्यार्थियों को अपने जीवन को एक चमकते हुए बल्ब की तरह बनाना चाहिए, जो स्वयं भी उजाला करे और दूसरों को भी सही राह दिखाए।

"ज्ञान का प्रकाश हमें नशे जैसे अंधकार से दूर रखता है।"

बल्ब केवल रोशनी देने का साधन नहीं है, बल्कि यह ज्ञान, जागरूकता और सही मार्ग का भी प्रतीक है। जैसे एक बल्ब अंधकार को दूर करता है, वैसे ही शिक्षा और अच्छे विचार हमारे जीवन से अज्ञानता और बुरी आदतों का अंधकार दूर करते हैं।

अनिरुद्ध कृष्णा

कक्षा IX

पर्यावरण

पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। इसमें वायु, जल, भूमि, पेड़-पौधे और सभी जीव-जंतु शामिल हैं। यह हमें स्वच्छ हवा, पीने का पानी और भोजन प्रदान करता है। इसलिए पर्यावरण का संरक्षण हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। आज प्रदूषण, वनों की कटाई और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक उपयोग के कारण पर्यावरण को नुकसान पहुँच रहा है।

पर्यावरण की रक्षा के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए, पानी और बिजली की बचत करनी चाहिए तथा अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखनी चाहिए।

इसके साथ ही,

प्लास्टिक का कम उपयोग करना और प्रकृति के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाना भी आवश्यक है। यदि हम आज पर्यावरण की रक्षा करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण मिलेगा।

बदलते मौसम

सुबह की धूप संग आशा जागे,
मन के सारे सपने जागें।

दोपहर की गर्मी सिखाए धैर्य,
हर राह पर बढ़ें अपने कर्म।

शाम ढले तो रंग बदलें,
दिन भर की थकान भी टलें।

रात आए तो नभ मुस्काए,
चिड़ियाँ शांत अपने घर जाएँ।

ऋतुएँ बदलें, जीवन महकाए,
प्रकृति हमें हर पल मुस्काना सिखाए।

दैनिक जीवन में हिंदी

हिंदी हमारे दैनिक जीवन की एक महत्वपूर्ण भाषा है। हम घर, स्कूल, बाज़ार और दोस्तों से बातचीत करने के लिए हिंदी का उपयोग करते हैं। यह भाषा हमारे विचारों और भावनाओं को सरलता से व्यक्त करने में मदद करती है। स्कूल में पढ़ाई, किताबें पढ़ने, समाचार सुनने और कहानियाँ समझने में भी हिंदी का प्रयोग किया जाता है। मोबाइल संदेश, टीवी और सोशल मीडिया में हिंदी का उपयोग बढ़ रहा है। हमें हिंदी का सम्मान करना चाहिए और इसे सही तरीके से बोलने व लिखने का प्रयास करना चाहिए। हिंदी का नियमित अभ्यास करने से हमारा ज्ञान बढ़ता है और आत्मविश्वास भी मज़बूत होता है। इसलिए हिंदी हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

परवाना सुनील
कक्षा IX

पेड़ों का महत्व

हरे-भरे ये प्यारे पेड़,
धरती का हैं सुंदर भेद।
फल-फूलों से भर देते,
सबके जीवन को महकाते।

ठंडी छाया देते हैं,
शुद्ध हवा भी देते हैं।
पक्षियों का घर बनते,
बारिश लाने में मदद करते।

नदियों को स्वच्छ बनाते,
मिट्टी का कटाव बचाते।
पेड़ बिना जीवन सूना,
इनसे ही जग है सलोना।

पेड़ हमारे सच्चे मित्र,
इनसे सुंदर होता चित्र।
आओ मिलकर शपथ उठाएँ,
हर वर्ष नए पेड़ लगाएँ।

मेरा राष्ट्र

- मेरा राष्ट्र महान है,
- दुनिया की यह शान है।
- नज़ारे बड़े सुहाने हैं,
- लगते हमको प्यारे हैं।
- जगत का यह ताज है,
- भारत मेरा आज है।
- भारत माता नाम है इसका,
- आग और पानी-सा बल है इसका।
- मेरा राष्ट्र मेरी पहचान,
- इस पर है मुझे अभिमान।
- ऊँचे-ऊँचे पर्वत इसके,
- गहरी नदियाँ इसकी शान।
- मेहनत से हम आगे बढ़ें,
- सत्य और साहस का पथ गढ़ें।
- देश की सेवा करें सदा,
- यही हमारा सबसे बड़ा व्रत रहे।

क्लास मॉनीटर

जो क्लास में बने मॉनीटर,
बड़ी शान दिखाते हैं।
आता-जाता कुछ भी नहीं,
पर हम पर रौब जमाते हैं।
टीचर बन जाते हैं तुरंत,
जब क्लास में टीचर नहीं होते।
कॉपी, पेंसिल लेकर बस,
नाम लिखने में लगे होते।
खुद तो हमेशा बातें करते,
हमें मगर चुप करवाते हैं।
अपनी गलती माफ़ कराते,
हम पर दोष लगाते हैं।
क्लास का सवाल न हल कर पाते,
बस चीखते और चिल्लाते हैं।
भगवान बचाए इन मॉनीटरों से,
इन्हें हम बिल्कुल नहीं चाहते हैं।

सूरदास का जीवन परिचय

महाकवि सूरदास हिंदी साहित्य के भक्ति काल के एक महान संत, कवि और संगीतकार थे, जिन्हें भगवान श्रीकृष्ण के प्रति उनकी अनन्य भक्ति के लिए जाना जाता है। उनका जन्म सन *1478 (संवत 1535)* के आसपास रुनकता *(आगरा)* या सीही *(दिल्ली)* नामक ग्राम में हुआ था। वे जन्म से ही नेत्रहीन थे, जिसके कारण बचपन में उन्हें अपने परिवार की उपेक्षा सहनी पड़ी और मात्र छह वर्ष की आयु में उन्होंने घर छोड़ दिया।

वे यमुना नदी के किनारे 'गऊघाट' पर रहने लगे, जहाँ उनकी संगीत और काव्य प्रतिभा से प्रभावित होकर लोग उनके भजन सुनने आने लगे। उनके जीवन में सबसे बड़ा मोड़ तब आया जब उनकी मुलाकात महान संत महाप्रभु वल्लभाचार्य से हुई, जिन्होंने सूरदास को अपना शिष्य बनाया और गोवर्धन पर्वत पर स्थित श्रीनाथजी के मंदिर में कीर्तन का कार्य सौंप दिया।

सूरदास ने स्थानीय ब्रजभाषा को अपने काव्य का माध्यम बनाया और अपनी दिव्य आंतरिक दृष्टि से श्रीकृष्ण की लीलाओं का ऐसा सजीव वर्णन किया कि उन्हें हिंदी साहित्य में 'वात्सल्य रस का सम्राट' कहा गया। उनकी मुख्य रूप से तीन रचनाएँ सबसे प्रामाणिक और प्रसिद्ध मानी जाती हैं—'सूरसागर', 'सूरसारावली' और 'साहित्य लहरी'। इनमें 'सूरसागर' उनका सबसे महत्वपूर्ण ग्रंथ है, जिसमें श्रीकृष्ण की बाल-लीलाओं, माखन चोरी, माता यशोदा के वात्सल्य प्रेम और गोपियों के विरह *(भ्रमरगीत)* का अत्यंत भावपूर्ण चित्रण मिलता है। उनकी भाषा शैली इतनी सरल, मधुर और संगीमय थी कि इसने एक स्थानीय बोली को उत्कृष्ट साहित्यिक भाषा का दर्जा दिला दिया।

सूरदास महाप्रभु वल्लभाचार्य के पुत्र विट्ठलनाथ द्वारा स्थापित 'अष्टछाप' *(आठ सर्वश्रेष्ठ कृष्ण भक्त कवि)* के कवियों में सर्वोच्च स्थान पर प्रतिष्ठित थे। उनकी अतुलनीय काव्य प्रतिभा के कारण ही उन्हें हिंदी साहित्य आकाश का 'सूर्य' कहा जाता है। वे जीवन के अंतिम समय तक श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन रहे और सन *1583 (संवत 1640)* के आसपास गोवर्धन के पास पारसोली गाँव में उनका देहावसान हो गया। उनका जीवन और उनका साहित्य आज भी भारतीय संस्कृति और भक्ति परंपरा का एक अनमोल स्तंभ है।

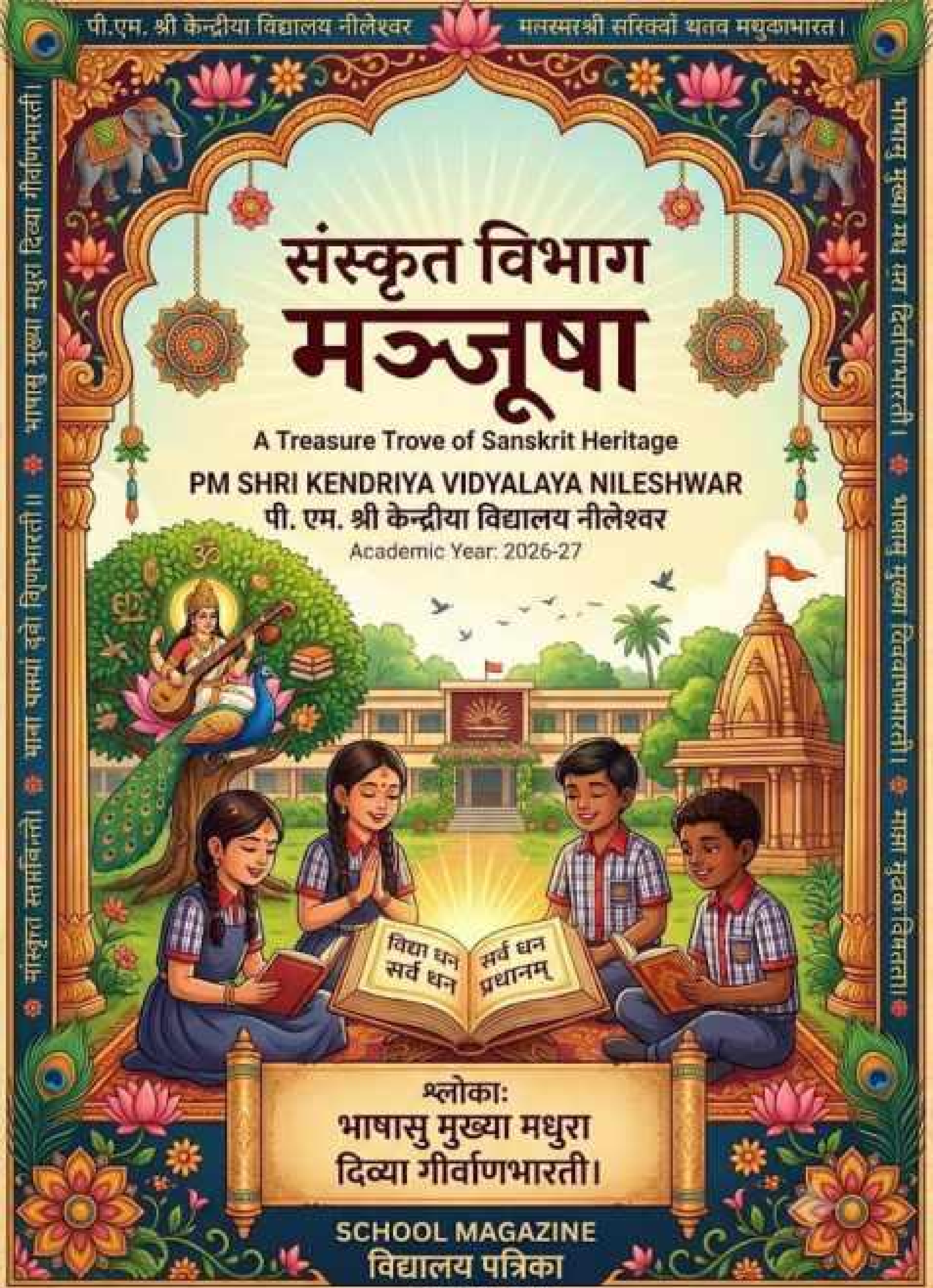
पी.एम. श्री केन्द्रीया विद्यालय नीलेश्वर
संस्कृत विभाग
मञ्जूषा
A Treasure Trove of Sanskrit Heritage
PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA NILESHWAR
पी. एम. श्री केन्द्रीया विद्यालय नीलेश्वर
Academic Year: 2026-27
विद्या धन सर्व धन
सर्व धन प्रधानम्
श्लोका:
भाषासु मुख्या मधुरा
दिव्या गीर्वाणभारती।
SCHOOL MAGAZINE
विद्यालय पत्रिका

भारतम्

भारतं मम राष्ट्रम्, महत् पवित्रं च ।
हिमालयः मुकुटं यस्य सागरः पादयोः स्थितः ॥

गङ्गा यमुना च नद्यौ, भूमिं पुण्यां कुरुतः ।
हरितानि वनानि शस्याणि, देशस्य शोभां वर्धयन्ति ॥

विविधाः भाषाः अत्र, विविधाः संस्कृतयः अपि ।
नानाधर्माः नानावेषाः, एकता च सर्वत्र स्थिता ॥

रामः कृष्णः बुद्धश्च, महापुरुषाः अस्मिन् देशे ।
गान्धी नेहरू पटेलाद्याः, कीर्तिः जगति प्रसारयन् ॥

कृषकाः अन्नं उत्पादयन्ति, वैज्ञानिकाः नवयन्त्रं आविष्कुर्वन्ति ।
सैनिकाः राष्ट्रं रक्षन्ति, शिक्षकाः ज्ञानं वितरन्ति ॥

ववाजलसञ्चयनम

वर्षानल सञ्चयनम् अत्यन्त महत्त्वपूर्णम अस्ति । वर्षाकाले पवितं जलं संगृह्य भविष्यास्य उपयोगाय रक्ष्यते । मवत् जलसंकटस्य समाधानाय सहायक भवति। अधुना जलस्य अभावः ओकस्थानेषु दृश्यते। अतः वर्षाजल सञ्ययनस्य आवश्य आवश्यकता वर्धते। गृहेषु, विद्यालयेषु तथा अन्येषु स्थानेषु वर्षाललसञ्चचनव्यवस् स्थापचितुं शक्यते।

वर्षाजलसञ्चयनेन भूरभूमेः जलस्तरः वर्धते तथा पर्यकिरण संरक्षणम् अपि भवति । अस्माभिः जलस्य संरक्षणं कर्तव्य तथा वर्षाचलसव्ययन प्रोत्साहनीयम् ।

जलम् एव जीवनम् अस्ति ।

पुस्तकस्य महत्त्वम्

पुस्तकं ज्ञानस्य भण्डारम अस्ति । पुरुकेभ्य वय नूतन ज्ञान प्राप्नुमः । पुस्तकानि अस्मान सद्मार्ग तथा च बुद्धि वर्धयन्ति । पठना ज्ञानस्थ द्वारम्

अनुशासने विकासः

VAIKA M
CLASS 9

अनुशासनस्य महत्त्वम्

मानवजीवने अनुशासनस्य स्थानं सर्वोपरि अस्ति। नियमपूर्वकं कार्यकरणं च अनुशासनं कथ्यते। तथा प्रकृत्याः सूर्यादयः नियमेन भवन्ति। तथैव मनुष्यजीवने अपि नियमपालनम् अत्यावश्यकम् अस्ति। अनुशासनेन विना समाजस्य देशस्य वा कल्याणं न सम्भवति।

अनुशासनेन विकासः

अनुशासनम् एव विकासस्य मुख्यः आधारः अस्ति। यः छात्रः अनुशासितः भूत्वा सर्वेषाम् नियमानाम् पालनं करोति, सः परीक्षायां सफ़लतां प्राप्नोति। अनुशासिताः नागरिकाः एव देशं प्रगत्युन्मुखं कुर्वन्ति। यस्मिन् समाजे अनुशासनं भवति तत्र सुखं, शान्तिः, विकासः च सर्वदा तिष्ठति।

उपसंहारः

अतः जीवनस्य प्रत्येकस्मिन् क्षेत्रे अनुशासनस्य आवश्यकता अस्ति। अनुशासनं न केवलं व्यक्तिगत-विकासाय अपितु राष्ट्रियविकासाय अपि अनिवार्यं वर्तते। उत्तमत्वाय सफलाय जीवनाय च अस्माभिः सर्वदा अनुशासितैः भवितव्यम्।

प्रेरक और दार्शनिक विचार

- "यदा त्वं स्वयं लक्षं नृप्यसि तदा जीवांशः भवतः ताडनेन पश्चादङ्गुलीः दर्शयति।

- "हृदयस्पन्दने नृत्यं कुरुत गतिशीलपथे पदाति भवतः आत्मसात् इच्छति प्रति गच्छतु।

- "यदा जीवनस्य रूपः परिवर्तति - नूतनतालानुकूलं नृत्यं कुर्वन्तु!"

पर्यावरणसंरक्षणम्

- पर्यावरणं अस्माकं जीवनस्य आधारः अस्ति। वायुः, जलं, भूमिः, वनानि च पर्यावरणस्य प्रमुखाः भागाः सन्ति। अतः पर्यावरणस्य संरक्षणं अति आवश्यकम् अस्ति।
- अस्य प्रदूषणस्य कारणात् पर्यावरणस्य हानिः भवति। अतः वयं सर्वे वृक्षाणां रोपणं कुर्याम, जलस्य संरक्षणं कुर्याम, प्लास्टिकस्य उपयोगं च न्यूनं कुर्याम।
- यदि वयं पर्यावरणं रक्षामः, तर्हि सुखमयम् जीवनं प्राप्स्यामः। अतः सर्वे मिलित्वा पर्यावरणसंरक्षणस्य नियमानां पालनं कुर्वन्तु।
- पर्यावरणं रक्षामः, जीवनं रक्षामः।

संस्कृत भाषा

BY SAMVID PK
CLASS 9

संस्कृत भाषा विश्वस्य प्राचीनतमा भाषा अस्ति। एषा एव भारतीयसंस्कृतेः आधारः मन्यते। वेदाः, उपनिषदः, रामायणम्, महाभारतम् च संस्कृतभाषायामेव लिखितानि सन्ति। संस्कृतभाषा ज्ञानस्य, धर्मस्य, दर्शनस्य च भण्डारः अस्ति। अस्याः भाषायाः अध्ययनं बुद्धिविकासाय सद्गुणाय च भवति। विद्यालयेषु छात्राः संस्कृतभाषां पठन्ति तथा च ज्ञानं प्राप्नुवन्ति। संस्कृतभाषा भारतीयपरम्परायाः रक्षणे महत्त्वपूर्णं भूमिकां निर्वहति। अनेके मन्त्राः, श्लोकाः च संस्कृतभाषायामेव भवन्ति। एषा भाषा विश्वे अपि आदरं प्राप्नोति। अतः अस्माभिः संस्कृतभाषायाः संरक्षणं कर्तव्यम्।

स्वप्नः तथा दृढनिश्चयः

प्रत्येकस्य मानवस्य जीवनम् स्वप्नैः पूर्णम् भवति। स्वप्नाः उत्तमं जीवनं प्रति प्रेरयन्ति। कस्मिन् देशे भवितुम् इच्छति, अभियन्ता, शिक्षकः, कविः वैज्ञानिकः वा। स्वप्नानां पूर्तये दृढनिश्चयः अत्यन्तम् आवश्यकः अस्ति।

दृढनिश्चयेन मनुष्यः सर्वाणि कठिनानि कार्याणि अपि सफलतया करोति। यदि वयं परिश्रमं कुर्मः, नियमिततया अध्ययनं कुर्मः, आत्मविश्वासं च धारयामः, तर्हि अस्माकं स्वप्नाः सफलाः भवन्ति। जीवने अनेकाः बाधाः आगच्छन्ति, किन्तु दृढनिश्चयी जनः कदापि हारं न स्वीकरोति। महान् वैज्ञानिकः APJ Abdul Kalam अपि उक्तवान् यत् – "स्वप्नाः ते न भवन्ति ये निद्रायां दृश्यन्ते, अपितु ते भवन्ति ये..."

जिज्ञासा आजीवन शिक्षार्थिनः निर्माति

जिज्ञासा ज्ञानस्य मूलम् अस्त्[यिः छात्रः प्रश्नान् पृच्छति, सः नूतलं ज्ञानं प्राप्नोति । जिज्ञासु बालकाः सदैव अध्ययनम् इच्छन्ति। ते पुस्तकानि पठन्ति, गुरूणां वचनानि श्रृण्वन्ति चा

जिज्ञासा बुद्ध विकास करोति सा जीवने सफलता ददानि वयं सर्व जिज्ञासवः भर्तम। आजीवन शिक्षां प्राप्नुयम ।

श्रम :
मन, स्वास्थय और समाज में बदलाव

1. 4 व्यक्तिगत बदलाव

सोच: यह जीवन को सही उद्देश्य देता है।
नैतिकता: यह दया और ओला-नियंत्रण जगाता है।

2. मानसिक स्वास्थ्य

शांति : प्रार्थना से मानसिक तनाव कम होता है।
शक्ति : आस्था मुश्किल समय में भवन देती है।

3. सामाजिक एकता

भाईचारा : त्योहार लोगों को एकजुट रखते हैं।
मदद : यह समान में परोपकार बढ़ाता है।

५. आधुनिक बदलाव

तर्क: लोग इसे विज्ञान से जोड़ रहे हैं।
इंटरनेट : डिजिटल माध्यम से ज्ञान आसान हुआ है।

परमीषयाम

संगीत मानवजीवनस्य अमूल्य वरदान अस्ति। यदा कश्चित् जना मनादिधनावसदेन, चिन्तया, कष्टेन च प्रशस्तः भवति। आधुनिक विज्ञानेन अदि प्रमाधिकृत यत् संगीत स्वनेन उच्चरक्तचाप, मानसिक तनाव, अभिदरा च दूरिभवन्ति । सामवेदात आरभ्य अधपर्यन्त संगीतस्य भाषा उपचारात्मिका शक्तिः। अतः संङ्गीत न वेचला मनोरुवनश्ग शाहधनं, अवित भन्ना मनसो औषधन् अस्ति।

पृथ्वी स्तुति

माता भूमिः सुहृद नित्यं
धारयति जगत् समम्
वनानि पर्वताश्चैव
शोभन्ते तस्याः सदा
नद्यः वहन्ति निर्मलम्
पुष्पाणि सुगन्धितानि च
रक्षामः वयं पृथ्वीम्
स्वच्छा कुर्मः सर्वदा

हिंदी में प्रसिद्ध विचार

"उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।"
— स्वामी विवेकानंद

"शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है, जिसे आप दुनिया बदलने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।"
— नेल्सन मंडेला

"सपने वो नहीं जो हम नींद में देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।"
— डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम (लोकप्रिय रूप से उद्धृत)

"मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।"
— लोकप्रचलित कहावत

"जो समय को नष्ट करता है, समय उसे नष्ट कर देता है।"
— लोकप्रचलित विचार

"कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।"
— श्रीमद्भगवद्गीता

"जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।"
— रामायण

"जहाँ चाह, वहाँ राह।"
— प्रसिद्ध हिंदी कहावत

MALAYALAM

മൺസൂൺ മഴ: പ്രകൃതിയുടെ അമൂല്യ അനുഗ്രഹം

മൺസൂൺ മഴ കേരളത്തിന്റെ പ്രകൃതിക്കും ജനജീവിതത്തിനും ഏറ്റവും വിലപ്പെട്ട അനുഗ്രഹങ്ങളിലൊന്നാണ്. എല്ലാ വർഷവും ജൂൺ മാസത്തോടെ ആരംഭിക്കുന്ന മഴക്കാലം നമ്മുടെ നാടിനെ പച്ചപ്പുകൊണ്ട് മൂടുകയും പ്രകൃതിക്ക് പുതിയൊരു ഉണർവ് നൽകുകയും ചെയ്യുന്നു. പ്രത്യേകിച്ച് വാഗമൺ പോലുള്ള മലനിരകളിൽ ലഭിക്കുന്ന സമൃദ്ധമായ മഴയുടെ ഫലമായി പുഴകളും തോടുകളും അരുവികളും നിറഞ്ഞൊഴുകുന്നു. കിണറുകൾ, കുളങ്ങൾ, തടാകങ്ങൾ എന്നിവയിൽ ജലനിരപ്പ് ഉയരുകയും ഭൂഗർഭജലത്തിന്റെ ലഭ്യത വർധിക്കുകയും ചെയ്യുന്നു.

മഴ കൃഷിയുടെ ജീവനാഡിയാണ്. ആവശ്യത്തിന് മഴ ലഭിക്കുമ്പോൾ നെൽവയലുകളും പച്ചക്കറിത്തോട്ടങ്ങളും മറ്റു കാർഷികവിളകളും സമൃദ്ധമായി വളരുന്നു. കർഷകരുടെ കഠിനാധ്വാനത്തിന് ഫലം ലഭിക്കുകയും മികച്ച വിളവ് ലഭിക്കുന്നതിനാൽ അവരുടെ ജീവിതം കൂടുതൽ സുരക്ഷിതമാകുകയും ചെയ്യുന്നു. മഴയിലൂടെ മണ്ണിന്റെ ഫലഭൂയിഷ്ഠത വർധിക്കുകയും സസ്യങ്ങൾക്ക് ആവശ്യമായ ഈർപ്പം ലഭിക്കുകയും ചെയ്യുന്നതിനാൽ കാർഷികോൽപാദനം ഗണ്യമായി മെച്ചപ്പെടുന്നു.

മഴയുടെ വരവോടെ മരങ്ങളും ചെടികളും തഴച്ചുവളരുന്നു. വനങ്ങളും പുൽമേടുകളും പുതുജീവൻ പ്രാപിക്കുന്നു. പക്ഷികളുടെയും മറ്റു ജീവജാലങ്ങളുടെയും ആവാസവ്യവസ്ഥ കൂടുതൽ സമ്പന്നമാകുന്നു. തണുത്ത കാറ്റും പച്ചപ്പാർന്ന പ്രകൃതിദൃശ്യങ്ങളും എല്ലാവരുടെയും മനസ്സിന് സന്തോഷവും ശാന്തതയും പകരുന്നു. മഴക്കാലം വിനോദസഞ്ചാര മേഖലക്കും വലിയ പ്രോത്സാഹനമാണ്. മൂടൽമഞ്ഞും വെള്ളച്ചാട്ടങ്ങളും പച്ചപ്പ് നിറഞ്ഞ മലനിരകളും സന്ദർശകരെ ആകർഷിക്കുന്നു.

എന്നാൽ, മൺസൂൺ മഴയ്ക്ക് നിരവധി ഗുണങ്ങളുണ്ടെങ്കിലും ചില വെല്ലുവിളികളും ഉണ്ടാകാറുണ്ട്. അതിശക്തമായ മഴ വെള്ളപ്പൊക്കത്തിനും മണ്ണിടിച്ചിലിനും കാരണമാകാം. റോഡുകളും പാലങ്ങളും തകരാറിലാകുകയും ഗതാഗതം തടസ്സപ്പെടുകയും ചെയ്യാം. ചില പ്രദേശങ്ങളിൽ വീടുകൾക്കും കൃഷിക്കും വലിയ നാശനഷ്ടങ്ങൾ സംഭവിക്കാറുണ്ട്. മഴക്കാലത്ത് പകർച്ചവ്യാധികൾ പടരാനുള്ള സാധ്യതയും കൂടുതലാണ്. അതിനാൽ ശുചിത്വം പാലിക്കുകയും പരിസരം വൃത്തിയായി സൂക്ഷിക്കുകയും സുരക്ഷാ നിർദേശങ്ങൾ കൃത്യമായി പാലിക്കുകയും ചെയ്യേണ്ടത് അനിവാര്യമാണ്.

മൊത്തത്തിൽ, മൺസൂൺ മഴ പ്രകൃതിയുടെ അമൂല്യമായൊരു സമ്മാനമാണ്. അതിന്റെ അനുഗ്രഹങ്ങളെ പരമാവധി പ്രയോജനപ്പെടുത്തുകയും മഴക്കാലത്ത് ഉണ്ടാകുന്ന അപകടങ്ങളെ ജാഗ്രതയോടെയും ഉത്തരവാദിത്തത്തോടെയും നേരിടുകയും ചെയ്യേണ്ടത് ഓരോ പൗരന്റെയും കടമയാണ്. പ്രകൃതിയെ സംരക്ഷിക്കുകയും ജലസ്രോതസ്സുകളെ കാത്തുസൂക്ഷിക്കുകയും ചെയ്താൽ മൺസൂണിന്റെ അനുഗ്രഹങ്ങൾ വരുംതലമുറകൾക്കും ലഭ്യമാകും.

അക്ഷരങ്ങളുടെ കിളിപ്പാട്ട്: തുഞ്ചൻ സ്മരണ

ആദ്യം തൊഴുതു മലയാളം

"കിളി രൂപത്തിൽ വന്നു കാവ്യങ്ങൾ പാടിത്തന്ന എഴുത്തച്ഛൻ, മലയാളഭാഷയ്ക്ക് അക്ഷരവെളിച്ചം പകർന്ന മഹാഗുരുവാണ്. ആധ്യാത്മരാമായണത്തിലൂടെ അദ്ദേഹം നമ്മുടെ വീടുകളിൽ സദാചാരവും ഭക്തിയും നിറച്ചു."

കൈതൊഴുന്നേൻ കമലദളലോചനാ!
ഭക്തവത്സലാ! ഭവനാശനാ! ഹരേ!
പാതകങ്ങളെല്ലാം അകന്നീടുവാൻ
പോരുന്നു നീയെന്റെ ഉള്ളിൽ
വസിക്കുവാൻ...

Birthplace: Tirur, Malappuram (Thunchan Parambu)
Contribution: Pioneer of Kilippattu (Bird Song) style.
Major Works: Adhyathma Ramayanam, Mahabharatham, Harinama Keerthanam.

EXPLORING THE FRONTIERS OF ART

A JOURNEY THROUGH CREATIVITY AND CULTURAL EXPRESSION

Work Hard Dream Big And
Never Give Up
Your mind is a cage
BREAK the chains
and you will find
YOUR WINGS
Akshaya Girish

पुष्पाणि प्रकृतेः सुन्दरं उपहारम्।
Translation:-
Flowers are a beautiful gift of nature
by Vaiga S Rajeev

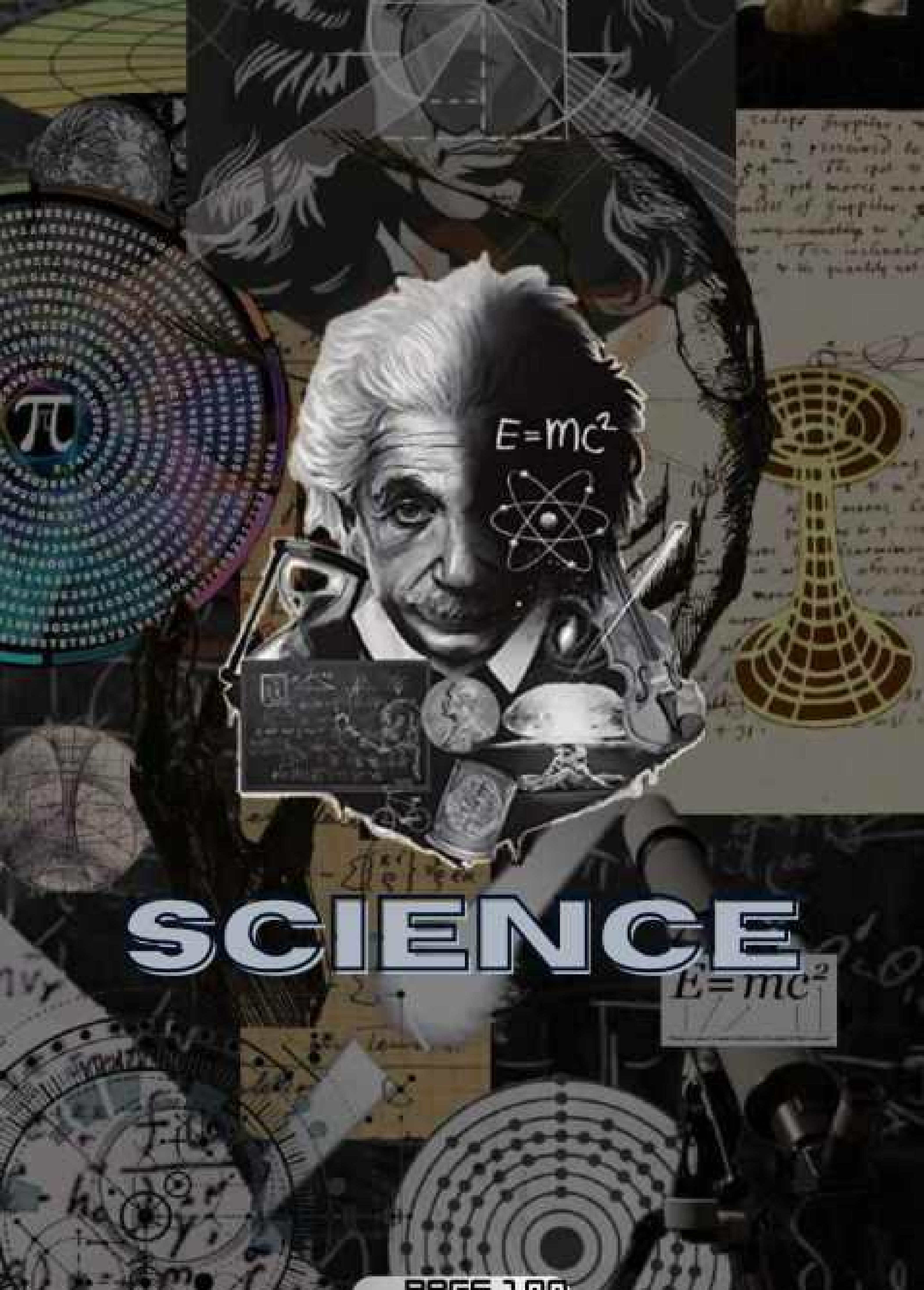
E=mc²
SCIENCE
E=mc²

REPORT ON SPACE MISSION

Date: 15th April 2000

India successfully launched its third Moon mission, Chandrayaan-3, which became the first mission to achieve a soft landing near the Moon's south pole. After the successful landing, the Vikram lander deployed the Pragyan rover, which began exploring the lunar surface and conducting scientific experiments. This mission was a major achievement for the Indian Space Research Organisation (ISRO) and made India the fourth country to achieve a soft landing on the Moon.

Before Chandrayaan-3, India had launched two lunar missions.

Chandrayaan-1 was launched on 22 October 2008 from the Satish Dhawan Space Centre, Sriharikota, using the Polar Satellite Launch Vehicle (PSLV-XL). It was India's first mission to the Moon and made several important discoveries, including evidence of water molecules on the lunar surface.

Chandrayaan-2 was India's second lunar mission and a follow-up to Chandrayaan-1. It was launched on 22 July 2019 at 2:43 PM from the Satish Dhawan Space Centre, Sriharikota, using the Geosynchronous Satellite Launch Vehicle Mark III (GSLV Mk III). Although the Vikram lander was not able to make a successful soft landing, the orbiter continues to study the Moon and send valuable scientific data.

These missions have strengthened India's position in space exploration and inspired millions of people around the world. They demonstrate the country's scientific progress and commitment to exploring space for the benefit of humanity.

Class: 9

THE DISCOVERY

Destination: Earth 2.0?

For centuries, science fiction has imagined worlds just like ours spinning out in the deep dark of space. Today, real-world astronomers have actually found one right in our cosmic backyard.

Meet GJ 3378b—a newly detailed "Super-Earth" located just 25 light-years away. In the grand scale of the universe, this planet is practically our next-door neighbor.

What makes GJ 3378b so exciting is where it sits. It orbits its host star in the Habitable Zone (also called the Goldilocks Zone). This means it is not too hot and not too cold.

Because its sun is a cool red dwarf, the planet orbits incredibly close to it, meaning a full "year" on this planet lasts just 21 Earth days! Despite being so close, it receives about 90% of the starlight that Earth does. If it has water, it could perfectly sustain alien life.

THE ENVIRONMENT

Life Under Heavy Gravity

If you were to step out of a spaceship onto GJ 3378b, you would immediately feel a massive difference. This is a "Super-Earth," meaning it is a rocky world but has roughly twice the mass of Earth.

Because of its size, the gravity is much stronger. Walking would feel like you are carrying a heavy backpack. If life exists there, trees would likely be short and stubby to fight the gravity, and animals would need thick, powerful legs to move around.
[]

📊 PLANET QUICK-STATS

- Year Length: 21 Days
- Distance: 25 Light-Years
- Gravity: ~1.5x stronger than Earth

Voyager: Humanity's Greatest Journey into Space

1. In 1977, NASA launched two spacecraft, Voyager 1 and Voyager 2, on an extraordinary mission to explore the outer planets of our solar system. Originally planned to last only a few years, both spacecraft are still traveling through space nearly five decades later

- Voyager 2 became the first and only spacecraft to visit Uranus and Neptune, while Voyager 1 became the first human-made object to enter interstellar space—the region beyond our solar system. Their discoveries have transformed our understanding of the giant planets, their moons, and the mysterious space beyond.

- Each Voyager carries a Golden Record, a gold-plated disc containing greetings in 55 languages, music from around the world, sounds of nature, and images of Earth. It was created as a message to any intelligent life that might one day find the spacecraft.
- Today, the Voyager mission continues to inspire people around the world. It reminds us that curiosity, innovation, and courage can take humanity farther than we ever imagined. Even billions of kilometres from Earth, the Voyagers continue their incredible journey into the unknown.
- Did You Know?
- 🚀 Voyager 1 is the farthest human-made object from Earth.
- 🌍 The Golden Record carries sounds, music, and pictures from our planet.
- ⭐ Both Voyager spacecraft are still communicating with Earth.
-

gold-plated disc

SCIENCE SPARK: THE BIG CLASS QUIZ

Welcome to 'Quiz-Bot' & school students!

1 What is the most abundant gas in Earth's atmosphere?

- (A) Oxygen
- (B) Carbon Dioxide
- (C) Nitrogen
- (D) Hydrogen

2 Which planet is known as the 'Red Planet'?

- (A) Venus
- (B) Mars
- (C) Jupiter
- (D) Saturn

3 What is the chemical symbol for Gold?

- (A) Ag
- (B) Fe
- (C) Au
- (D) Pb

4 What part of the plant conducts photosynthesis?

- (A) Root
- (B) Stem
- (C) Leaf
- (D) Flower

5 How many bones are in an adult human body?

- (A) 180
- (B) 206
- (C) 300
- (D) 150

6 Which force pulls objects towards the Earth?

- (A) Magnetism
- (B) Friction
- (C) Gravity
- (D) Electricity

7 What is the center of an atom called?

- (A) Electron
- (B) Nucleus
- (C) Proton
- (D) Neutron

8 Animals that eat both plants and animals are called:

- (A) Herbivores
- (B) Carnivores
- (C) Omnivores
- (D) Detritivores

9 Which state of matter has a definite shape and volume?

- (A) Gas
- (B) Liquid
- (C) Plasma
- (D) Solid

10 What instrument is used to measure temperature?

- (A) Barometer
- (B) Microscope
- (C) Thermometer
- (D) Telescope

ANSWERS

1. C 2. B 3. C 4. C 5. B 6. C 7. B 8. C 9. D 10. C

TOP 10 AI APPS & THEIR USES FOR PORTRAIT IMAGE CREATION & EDITING

A4 SIZE

No.	App	Category	Uses for Portraits
1	Prisma (ART AI)	Artistic Styles	Apply art filters, transform photos into paintings
2	Picsart	Creative Editing	Enhance, add effects, background removal, stickers
3	FaceApp	Face Transformation	Age filter, smile change, hair color
4	Lensa	Portrait Retouching	Skin smoothing, eye enhancement, AI Avatars
5	Remini	Enhance Quality	Restore old photos, sharpen details, improve resolution
6	Canva	Design & Layouts	AI design tools, add frames, text, templates for social media
7	Photoshop Express	Advanced Editing	Filters, retouching, basic color corrections
8	Meitu	Beautification	Digital makeup, body reshaping, artistic effects
9	EPIK	Photo Editing	Presets, text tools, aesthetic effects
10	Fotor	Quick Effects	AI enhance, background tools, filters

THE WALKING WATER RAINBOW EXPERIMENT

CAPILLARY ACTION

MATERIALS NEEDED:

- 6 clear cups
- Water
- Food coloring (Red, Yellow, Blue)
- Paper towels

SIMPLE STEPS:

1. Arrange cups.
2. Fill alternating cups (1, 3, 5).
3. Add colors.
4. Connect with paper towel 'bridges'.
5. Wait & Watch!

THE SCIENCE:

Water travels through tiny gaps in the paper towel by CAPILLARY ACTION, mixing colors as it flows into empty cups!

PRESENTED BY:
MAINAK M S

PRINCIPLE OF WORKING OF A STEAM ENGINE

A STEP-BY-STEP EXPLANATION OF ENERGY TRANSFORMATION

1. STEAM GENERATION

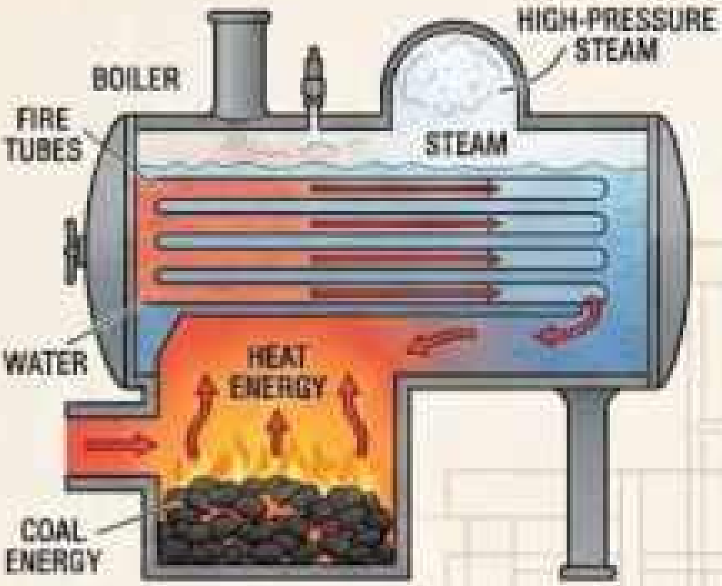

BOILER converts chemical energy of fuel into thermal energy of steam.

2. PISTON MOTION (SINGLE-ACTING)

Cylinder converts thermal energy into mechanical movement of piston.

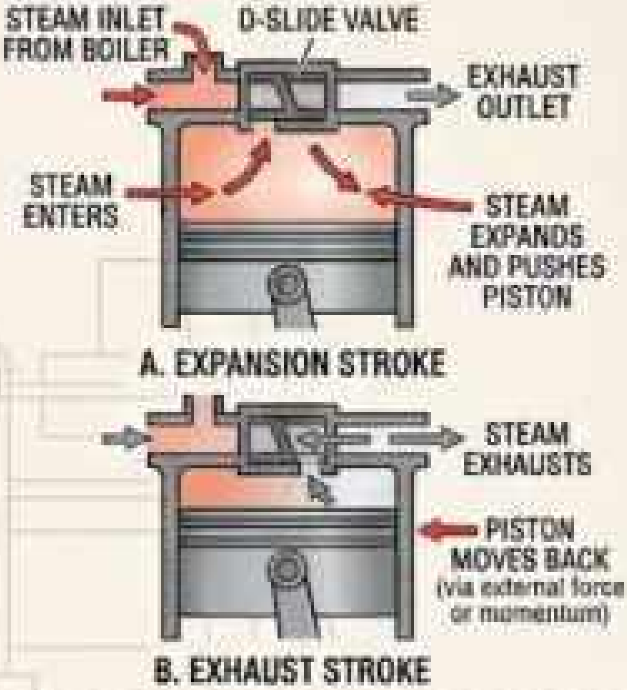

3. VALVE MECHANISM (SLIDE VALVE)

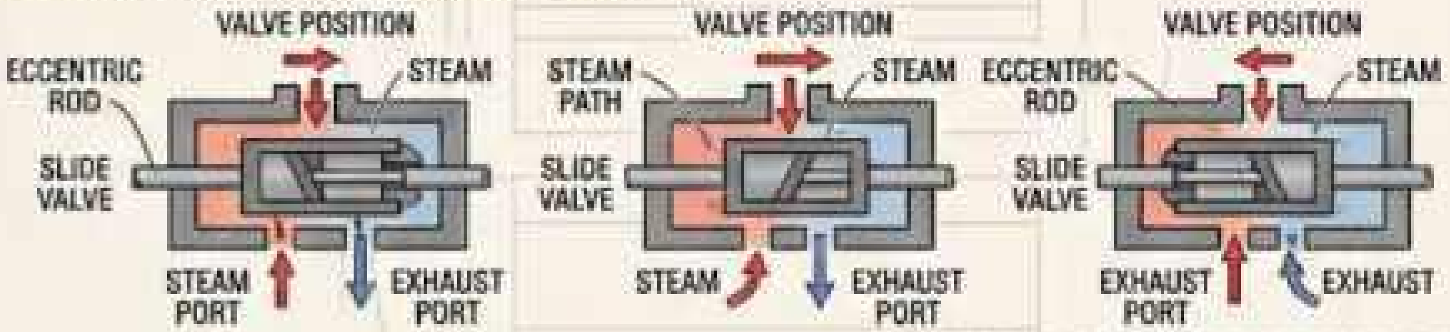

4. ROTATIONAL MOTION & POWER OUTPUT

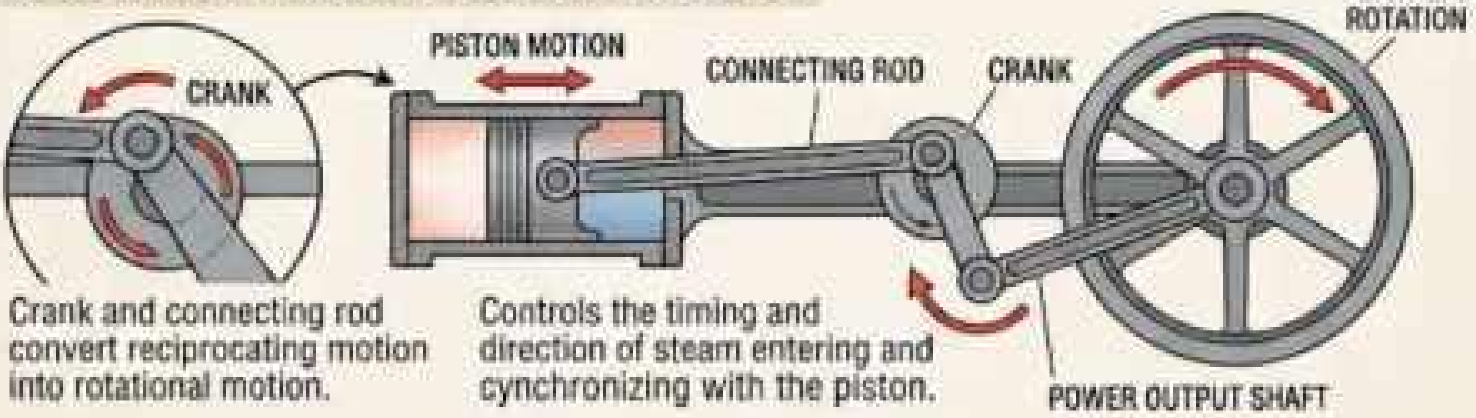

Crank and connecting rod convert reciprocating motion into rotational motion.

Controls the timing and direction of steam entering and cynchronizing with the piston.

SUMMARY OF ENERGY TRANSFORMATION

CHEMICAL ENERGY (Fuel) → **THERMAL ENERGY** (Steam) → **MECHANICAL ENERGY** (Motion) → **USEFUL WORK** (Rotation)

The Tapestry of Life:
A Concise Chronicle of Evolution

Introduction (Concise Paragraph)

Evolution is a 4-billion-year continuous process of change and adaptation, from single-celled organisms to the complex life forms we see today.

The Deep Roots (Prokaryotes to Eukaryotes)

- Abiogenesis (~3.8bya)
- Great Oxygenation Event (2.4bya)
- Eukaryotes & Multicellularity
- Cambrian Explosion (541mya): *Tiktaalik* transition)

From Water to Land (Vertebrates & Primate Roots)

- Vertebrates colonize land
- Mammals diversify after dinosaur extinction (66mya)
- Primates evolve tree adaptations (grasping hands, binocular vision)

The Human Lineage (Hominins to Sapiens)

- Bipedalism (6-7mya) in Africa
- Genus *Homo* emerges with larger brains and tools (2.8mya)
- Global migration of *Homo sapiens* (~70kya)

Global Expansion & Culture

- Interbreeding with archaic humans (Neanderthals, Denisovans)

Early Fire
Cave Art
Agriculture

Conclusion

All life is interconnected, sharing a common ancestry over a 4-billion-year timeline. The unique cognitive abilities of *Homo sapiens* have enabled us to shape our world through culture and technology. Our journey isa testament to adaptation, and understanding this heritage is essential for our future.

Conclusion

As the journey of Neeladhara comes to a close, we look back with pride on a year defined by relentless curiosity, vivid expression, and the vibrant spirit of PM SHRI Kendriya Vidyalaya Nileshwar. Named after our coastal roots in Nileshwar, this 107-page collection stands as a living archive of our shared academic growth, creative milestones, and unforgettable moments across every grade level.

From honoring monumental national achievements—such as ISRO's historic Chandrayaan missions—to celebrating student achievements in sports, art, and literature, every section reflects the passion and dedication of our school community. The artwork, personal essays, poetry, and event reports brought together in this edition illustrate the diverse talents and bright minds that shape our institution every single day.

We extend our deepest gratitude to our student contributors for sharing their unique voices, to our teachers and mentors for their continuous guidance, and to the editorial board for seamlessly piecing this edition together. May Neeladhara remain a steady stream of inspiration and learning for years to come, reminding us that every ending is simply the foundation for our next great chapter.

— The Editorial Board
PM SHRI Kendriya Vidyalaya Nileshwar

THANK YOU

FROM ALL OF US AT SCHOOL

We sincerely appreciate your support, contribution, and hard work that makes our school community thrive!

TO OUR AMAZING TEACHERS & STAFF

- For your dedication, guidance, and passion in teaching every day!

TO OUR GENEROUS DONORS & SPONSORS

- For investing in our students' future, providing resources, and enabling opportunities.

TO OUR SUPPORTIVE PARENTS & VOLUNTEERS

- For your time, energy, and commitment to school events and activities.

TO OUR DEDICATED STUDENTS

- For your hard work, creativity, and enthusiasm throughout the school year!

TO OUR ENTIRE COMMUNITY

- For your kindness, participation, and unwavering support.

YOUR CONTRIBUTIONS MAKE A DIFFERENCE!
#SCHOOLCOMMUNITY #GRATITUDE